सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

समय का चक्र बहुत तेज चलता है, इसलिए न तो अपने बल का अहंकार करें और न ही अपने धन का अहंकार करें....!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–80 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

छत्तीसगढ़ में बदलने वाला है चुनावी नक्शा : परिसीमन, सीटें और महिला आरक्षण से सियासत में बड़ा फेरबदल तय

आलोक तिवारी / रायपुर

एक तरफ जहां असम के चुनावी नतीजों पर देश की नजरें टिकी हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में सियासत का असली 'गेमचेंजर' 2029 से पहले ही आकार लेने जा रहा है। परिसीमन (Delimitation), सीटों में बढ़ोतरी और 33% महिला आरक्षण—ये तीन बड़े फैक्टर राज्य की राजनीति की पूरी बिसात बदलने वाले हैं।

परिसीमन तय : 2026 के बाद देशभर में नई सीमाएं

संविधान के अनुच्छेद 82 के तहत हर जनगणना के बाद परिसीमन होना अनिवार्य है। 1976 से लागू फ्रीज अब 2026 में खत्म हो रहा है, जिसके बाद पूरे देश में नई सीटों और सीमाओं का निर्धारण होगा। सरकार की तैयारी है कि 2027 तक जनगणना पूरी कर 2029 लोकसभा चुनाव से पहले परिसीमन लागू कर दिया जाए। इसका सीधा असर छत्तीसगढ़ पर भी पड़ेगा।

परिसीमन कैसे तय करता है किसे कितनी सीट?

परिसीमन आयोग (Delimitation Commission) जनगणना के आधार पर सीटों की संख्या और सीमाएं तय करता है। इसके फैसले को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती। मुख्य आधारः जनसंख्या, भौगोलिक स्थिति, सामाजिक–आर्थिक संतुलन, SC/ST आबादी के अनुपात में आरक्षण, संविधान के अनुच्छेद 81 का सिद्धांत है—'वन पर्सन, वन वोट, वन वैल्यू'।

महिला आरक्षणः सत्ता की तस्वीर बदलने वाला फैक्टर

अगर 33% महिला आरक्षण 2029 से लागू होता है, तो छत्तीसगढ़ में राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल जाएंगे– 90 सीटें रहती हैं। लगभग 30 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित, 120 सीटें होती हैं। करीब 40 सीटें महिलाओं के लिए लोकसभा (17 सीट) 5-6 सीटें महिलाओं के लिए, छत्तीसगढ़ में महिला मतदाता पहले से पुरुषों से अधिक हैं—ऐसे में टिकट वितरण और चुनावी रणनीति में महिलाओं की भूमिका निर्णायक हो जाएगी।

एक सीट पर कितनी आबादी? घटेगा बोझ

अभी छत्तीसगढ़ में एक लोकसभा सीट पर औसतन करीब 27 लाख आबादी है। अगर सीटें 17 होती हैं, तो यह घटकर 17–18 लाख प्रति सीट हो सकती है—यानी प्रतिनिधित्व और ज्यादा संतुलित होगा।

सीटें बढ़ेंगी : लोकसभा 11 से 17, विधानसभा 90 से 120

राजनीतिक सूत्रों और अनुमानों के मुताबिक—लोकसभा सीटें : 11 से बढ़कर 16–17 तक जा सकती हैं। विधानसभा सीटें : 90 से बढ़कर 110–120 या उससे अधिक होने की संभावना, नया विधानसभा भवन पहले से ही 200 सदस्यों की क्षमता के हिसाब से तैयार किया जा रहा है—यह संकेत है कि आने वाले समय में सीटों में बड़ी बढ़ोतरी तय मानी जा रही है।

हर सीट पर नया समीकरण

रायपुर जैसे शहरों में सीटें 4 से बढ़कर 6 तक हो सकती हैं। BJP और कांग्रेस दोनों को 30–40 सीटों पर महिला उम्मीदवार उतारने पड़ेंगे। नए चेहरे, नए समीकरण और नई जातीय–सामाजिक रणनीतियां बनेंगी। सीधे शब्दों में—पुरानी सीट, पुराना समीकरण और पुरानी राजनीति—तीनों बदलने वाले हैं।

2029 से पहले ही 'नई राजनीति' की शुरुआत

अभी भले ही नजरें असम के नतीजों (4 मई 2026) पर हों, लेकिन छत्तीसगढ़ में असली सियासी हलचल परिसीमन के साथ शुरू होगी। सीटें बढ़ेंगी, आरक्षण बदलेगा और चुनावी गणित पूरी तरह रीसेट होगा। सवाल अब यह नहीं है कि बदलाव होगा या नहीं—सवाल यह है कि इस बदलाव के लिए कौन–सी पार्टी कितनी तैयार है?

हत्या के फरार आरोपी पर 5 हजार का इनाम घोषित, सरगुजा पुलिस की जनता से अपील

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में हत्या के एक गंभीर मामले में फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने इनाम की घोषणा की है। थाना कोतवाली, जिला सरगुजा के अपराध क्रमांक 217/2026, धारा 64(2), 103(1) बीएनएस के तहत दर्ज प्रकरण में आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए राजेश कुमार अग्रवाल (डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा) ने आरोपी की गिरफ्तारी हेतु 5,000 रुपये के इनाम की घोषणा की है। पुलिस रेग्युलेशन के पैरा 80–ए के तहत यह निर्णय लिया गया है।

आरोपी का हुलिया जारी

पुलिस द्वारा जारी विवरण के अनुसार आरोपी का रंग सांवला, कद लगभग 5 फीट 4 इंच, शरीर

पतला, बाल घुंघराले व लंबे हैं। आरोपी काली दाढ़ी–मूंछ रखता है और घटना के समय हल्की गुलाबी शर्ट, नीली जींस पहने था। उसके सिर पर नीले रंग का गमछा बंधा हुआ था और पीठ पर एक झोला लटका हुआ था।

पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि आरोपी के संबंध में कोई भी पुख्ता जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा और आरोपी की गिरफ्तारी में मदद करने वाले को 5,000 रुपये की इनाम राशि दी जाएगी। सरगुजा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास जारी हैं और जल्द ही उसे पकड़ने की उम्मीद है।

इन नंबरों पर दें सूचना

डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजाः 94791–93501

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकः 94791–93502

नगर पुलिस अधीक्षक, अंबिकापुरः 94791–93503

पुलिस कंट्रोल रूमः 94791–93599

थाना कोतवाली अंबिकापुरः 9479193508

अवैध सागौन परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, वाहन सहित लकड़ी जब्त

बलौदाबाजार। वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर के निर्देशानुसार अर्जुनी वन परिक्षेत्र अंतर्गत वन विभाग द्वारा अवैध सागौन लकड़ी परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए महिंद्रा जीतो प्लस वाहन को सागौन लट्ठों के साथ जब्त किया गया। आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर कायर्वाही क़ी जा रही है। वन विभाग को पूर्व में प्राप्त गुप्त सूचना एवं सतर्क निगरानी के आधार पर संबंधित स्टाफ को अलर्ट मोड में रखा गया था। इसी क्रम में 8 अप्रैल को रात्रि लगभग 11:30 बजे बंगलापाली के समीप दबिश देकर आरोपियों को लकड़ी सहित रंगे हाथों पकड़ा गया। इस प्रकरण में गंगाराम सागर (महकम), शिवप्रसाद केवट (सोनाखान), अंजोर साहू (मानाकोनी), कैलाश यादव (सोनाखान) एवं भुनेश्वर पटेल (महकम) को पकड़ा गया।

85% मतदान ने बढ़ाई सियासी धड़कनें : असम में 'हाई टर्नआउट' से सत्ता बदलेगी या दोहराएगी इतिहास?

विशेष संवाददाता संदीप सिंह / गुवाहाटी

पूर्वोत्तर की सबसे अहम राजनीतिक जंग में इस बार जनता ने रिकॉर्ड भागीदारी दिखाकर सियासी समीकरणों को उलझा दिया है। असम विधानसभा चुनाव 2026 में 9 अप्रैल को सभी 126 सीटों पर एक ही चरण में मतदान हुआ और अंतिम आंकड़ा चौंकाने वाला रहा—85.04% वोटिंग। यह आंकड़ा न सिर्फ पिछले चुनाव से ज्यादा है, बल्कि इसने राजनीतिक विश्लेषकों के सामने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है—क्या यह बदलाव का संकेत है या सत्ता की वापसी का जनादेश?

सुबह से शाम तक उमड़ा जनसैलाब

सुबह 11 बजे तक ही 38.92% मतदान दर्ज हो चुका था, जो शाम 5 बजे तक बढ़कर 84.42% पहुंच गया। शाम 5:30 बजे के आसपास मतदान खत्म हुआ, लेकिन पोलिंग बूथों पर दिखी लंबी कतारों ने साफ कर दिया कि इस बार मतदाता 'मूड' में हैं—और यही मूड अब सियासी दलों की धड़कनें बढ़ा रहा है।

करीब 2.5 करोड़ मतदाताओं वाले इस राज्य में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी निर्णायक मानी जा रही है। चुनाव आयोग ने वेबकास्टिंग और ड्रोन निगरानी के जरिए पूरे मतदान को शांतिपूर्ण और पारदर्शी बनाने की कोशिश की।

कितनी सीटों पर कांटे की टक्कर? जवाब अभी अधूरा

फिलहाल यह साफ नहीं है कि 126 में से कितनी सीटों पर बेहद करीबी मुकाबला है। असल तस्वीर 4 मई 2026 को वोटों की गिनती के बाद ही सामने आएगी, जब यह पता चलेगा कि कितनी सीटें 1000–2000 या उससे भी कम वोटों के अंतर से तय हुईं।

त्रिकोणीय मुकाबला, लेकिन सीधी टक्कर NDA vs विपक्ष

राजनीतिक तौर पर यह चुनाव बेहद दिलचस्प मोड़ पर खड़ा है।

एक ओर इखढ के नेतृत्व वाला ठऊअ है, जो लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की कोशिश में है दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन है, जो 'एंटी–इंकम्बेंसी' यानी सत्ता विरोधी लहर पर सवार होने की रणनीति बना रहा है। हालांकि मैदान में त्रिकोणीय मुकाबले की चर्चा भी तेज है, जिससे कई सीटों पर समीकरण और ज्यादा पेचीदा हो गए हैं।

'अधिक मतदान = सत्ता परिवर्तन?' आधा सच, पूरा भ्रम

चुनावी राजनीति में एक पुरानी कहावत है—ज्यादा वोटिंग मतलब सरकार बदलना तय। लेकिन जमीनी हकीकत इससे कहीं ज्यादा जटिल है। 1977 भारतीय आम चुनाव में भारी मतदान के साथ सत्ता बदली थी, 2014 भारतीय आम चुनाव में भी हाई टर्नआउट ने नई सरकार बनाई। लेकिन दूसरी तस्वीर भी उतनी ही मजबूत है—2021 में असम में 82% वोटिंग के बावजूद सत्ता वापस आई, पश्चिम बंगाल में 81% वोटिंग के बाद भी सरकार नहीं बदली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कई बार हाई टर्नआउट के बावजूद सत्ताधारी दल ही जीते यानी ज्यादा वोटिंग का मतलब सिर्फ 'ज्यादा उत्साह' है, न कि तय नतीजा।

असम का फैसला अभी बाकी है

असम की 126 सीटों पर हुआ यह हाई–वोल्टेज चुनाव अब काउंटिंग डे 4 मई 2026 की ओर बढ़ रहा है। तब तक एक बात साफ है—जनता ने अपना काम कर दिया है, अब बारी ईवीएम की है। क्या 85% वोटिंग बदलाव की आंधी बनेगी या फिर सत्ता का किला और मजबूत करेगी? इसका जवाब अब कुछ ही हफ्तों में सामने होगा।

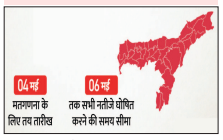

85% टर्नआउट : संकेत बड़ा, संदेश अभी अधूरा

इस बार का 85.04% मतदान साफ तौर पर बताता है कि जनता पूरी तरह एक्टिव है। लेकिन यह एक्टिविटी किस दिशा में है—सत्ता के समर्थन में, सत्ता के विरोध में, या स्थानीय मुद्दों और उम्मीदवारों के असर में, यह अभी रहस्य बना हुआ है।

निगम आयुक्त का गौठान प्रेम : 300 गौ–वंश के बीच पहुंचे, अपने हाथों से खिलाया गुड़

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त ने सुबह कोसा नगर स्थित गौठान का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। शहर के नियमित दौरे के क्रम में पहुंचे आयुक्त ने यहां मौजूद लगभग 300 गौ–वंश की स्थिति, उनके चारे–पानी और देखरेख की व्यवस्था का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त का गौ–प्रेम उस वक्त साफ झलक उठा, जब

उन्होंने खुद गौ–वंश के बीच जाकर उन्हें अपने हाथों से गुड़ खिलाया। यह आत्मीय दृश्य वहां मौजूद कमर्चारियों और स्थानीय लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा।

आयुक्त ने गौठान में साफ–सफाई, छाया और पेयजल की व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश दिए। गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उन्होंने कहा कि गौ–वंश को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने वर्मी कंपोस्ट उत्पादन की प्रक्रिया का भी निरीक्षण कर गुणवत्ता बनाए रखने और खाद के त्वरित उठाव के निर्देश दिए। इस दौरान आयुक्त ने गौठान में कार्यरत स्व–सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा कर उनके कार्यों की सराहना की और आय बढ़ाने के उपायों पर जोर दिया। साथ ही परिसर में जलभराव की स्थिति न बने और नियमित फॉगिंग कराए जाने के निर्देश भी दिए। नगर निगम के इस औचक निरीक्षण ने एक बार फिर साफ कर दिया कि प्रशासन अब केवल कागजों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर सक्रिय होकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटा हुआ है।

केंद्रीय विद्यालय दुर्ग की प्रेरक पहल : पुस्तक उपहार कार्यक्रम बना सामाजिक चेतना का आधार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में आयोजित पुस्तक उपहार कार्यक्रम के अंतर्गत 5235 पुस्तकों का विद्यार्थियों के बीच सफलतापूर्वक वितरण एवं आदान–प्रदान किया गया। इस पहल में कक्षा पाँचवीं से छठवीं में आने वाले विद्यार्थियों को कक्षा छठवीं एवं सातवीं के विद्यार्थियों द्वारा पुस्तकें उपहार स्वरूप प्रदान की गईं, जिससे आपसी सहयोग, समन्वय और साझेदारी की भावना को मजबूती मिली।आज के समय में जब पाठ्यपुस्तकों की कीमतें निरंतर बढ़ रही हैं और शिक्षा एक महंगा माध्यम बनती जा रही है, ऐसे में केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम अभिभावकों पर बढ़ते आर्थिक बोझ को कम करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास सिद्ध हो रहा है।

प्रभारी प्राचार्य पुष्प बड़ा ने बताया कि इस व्यवस्था से विद्यार्थियों को नई पुस्तकें खरीदने की आवश्यकता नहीं पड़ती, वे आपसी संपर्क और सामंजस्य के माध्यम से ही अपनी जरूरत

पूरी कर लेते हैं।अभिभावक विजयलक्ष्मी नायडू ने इस पहल को सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि पुस्तकें ज्ञान और सरस्वती का प्रतीक हैं, अतः उन्हें कभी व्यर्थ नहीं समझना चाहिए।कार्यक्रम के मुख्य संयोजक के रूप में पुस्तकालय अध्यक्ष संजू ने पुस्तकों का संग्रहण कर उन्हें सुव्यवस्थित ढंग से विद्यार्थियों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. अजय आर्य ने बताया कि यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण के लिए लाभदायक है, बल्कि इससे विद्यार्थियों में सामाजिक सरोकार भी प्रबल होते हैं। बिना किसी खर्च के विद्यार्थी पुस्तकें दान करते हैं और एक–दूसरे से प्राप्त करते हैं, जिससे उनमें पुस्तकों के संरक्षण और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। उन्होंने यह भी बताया कि यदि एक कक्षा के 40 विद्यार्थी एक–एक पुस्तक खरीदकर आपस में साझा करें, तो प्रत्येक विद्यार्थी अनेक पुस्तकों का अध्ययन कर सकता है। इससे ज्ञान के विस्तार के साथ–साथ सामाजिक जिम्मेदारी और सहयोग की भावना भी सुदृढ़ होती है। यह योजना केवल आवश्यकता पूर्ति का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक योगदान के लिए प्रेरित करने वाला सशक्त मंच भी है, जो विद्यार्थियों के भीतर केयरिंग एंड शेयरिंग के मूल्यों को विकसित करता है।

प्रधान अध्यापक कमल सोनी ने कहा कि यह योजना केवल जरूरतमंद विद्यार्थियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सभी विद्यार्थियों के लिए समान रूप से उपयोगी है और उनमें यह भावना विकसित करती है कि यदि किसी ने उन्हें पुस्तक दी है तो वे भी दूसरों को पुस्तक दें। अभिभावकों की ओर से विजयलक्ष्मी नायडू एवं अन्य अभिभावकों ने केंद्रीय विद्यालय की इस पहल को अनुकरणीय पहल बताया और कहा–केंद्रीय विद्यालय से अन्य विद्यालयों महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालय को सीखना चाहिए और इस तरह की परियोजना को वृहद स्तर पर अपनाया जाना चाहिए। केंद्रीय विद्यालय संगठन नई दिल्ली से अपेक्षा की जा रही है कि इस अभिनव योजना को देशभर के सभी केंद्रीय विद्यालयों में प्रभावी रूप से लागू किया जाए, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इससे लाभान्वित हो सकें।वरिष्ठ शिक्षिका नीता दास ने कार्यक्रम से जुड़े सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विद्यालय के शिक्षक पुरुषोत्तम साहू ने बताया–विद्यालय का रिजल्ट घोषित होने से पूर्व ही परीक्षा संपन्न होने के बाद कक्षा अध्यापकों ने छात्रों एवं अभिभावकों को पुस्तक उपहार कार्यक्रम के लिए प्रेरित किया। बहुत से छात्रों ने सीधे अपने सीनियर छात्रों से पुस्तक देने का अनुरोध किया। और उन्होंने सीधे पुस्तक प्राप्त की। रिजल्ट लेते समय अभिभावक विद्यालय आए और उन्होंने पढ़ी हुई पुस्तक लाइब्रेरी में उपहार के लिए प्रदान की। इस तरह से इस कार्यक्रम से सीधे तौर पर 1000 विद्यार्थी जुड़े। बहुत से विद्यार्थियों ने अपनी पुस्तक विद्यालय से बाहर भी डोनेट की। कार्यक्रम में राहत तस्लीम, टी एल. साहू, सतीश धीवर, आशुतोष सिंह, डॉ. श्रावणी सिंह, गीता माली, रेशु काकरान, अमित राजपूत, डीके यादव, नीता दास, नरेश सिंगरौल, वंदनी सिंह, एम के बोरकर, सतविंदर कौर, रचना पॉल, टकेश्वर साहू, आर वी एस गायत्री, संजू कुमारी, गुरुप्रसाद पाण्डेय, सहित कक्षा शिक्षकों की विशेष भूमिका रही।

स्वास्थ्य अमला पहुंचा पीलियां प्रभावित वार्ड में, स्थिति का लिया जायजा

स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता व मितानिनों के साथ किया प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी एवं जिला सर्वेलेंस अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे के मार्गदर्शन में वार्ड-67 सेक्टर 7 पश्चिम सड़क 37 ए में पीलिया के मरीजों की जानकारी होने पर 09 अप्रैल 2026 को प्रभारी अधिकारी, सिविल हॉस्पिटल सुपेला भिलाई डॉ. पियाम सिंग व जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट श्रीमती रितीका सोनवानी, सुपरवाईजर विजय सेजुले, बीईटीओ हितेन्द्र कोसरे एवं स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया गया है।

प्रभावित क्षेत्र का स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा 95 घरों का भ्रमण किया गया जिसमें 04 पीलिया से ग्रसित मरीज मिले। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है। आम जनता के लिए प्रेस विज्ञप्ति जारी किया गया जिसमें जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग, दुर्ग आम जनता से अपील करता है। पीलिया हेतु पीलिया प्रदूषित जल व भोजन से फैलने वाला संक्रामक रोग है जो विषाणुओं के संक्रमण से होता है। विषाणुओं के शरीर में प्रवेश करने के 15 से 50 दिनों के भीतर बीमारी के लक्षण प्रगट होते है। पीलिया के प्रमुख लक्षण भुख न लगना, पीले रंग की पेशाब होना, भोजन का स्वाद न आना, उल्टी लगना या होना, सिर में दर्द होना एवं कमजोरी तथा थकावट का अनुभव करना, पेट के दाहिने तरफ उपर की ओर दर्द होना, आंखे व त्वचा का रंग पीला होना।

क्या करें - तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार हेतु जावे। पीने के पानी को 20 मिनट तक उबालकर ठंडा कर पीयें। 20 लीटर पीने के पानी में एक क्लोरिन गोली पीस कर डाले, एवं 30 मिनट पश्चात उपयोग करे। शौच के पश्चात एवं भोजन के पहले हाथ साबुन से धोवें। खुली में रखी, बासी व सड़ी गली खाद्य सामग्री का सेवन न करें। अक्या ना करें - चिकित्सक से परामर्श किये बिना हर्बल दवाईयों से बचें। धुम्रपान व शराब के सेवन से बचे। बिना उबाले दुध व पानी का सेवन न करे। फलो व सब्जियों के रस से बचें। कच्चे व अधपके मांस मटन, अण्डे व मछली का सेवन न करे।

खास खबर

महाविद्यालय स्तर पर होगा काव्यपाठ, नए जुड़े सदस्यों का किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रगतिशील जन-विचारधारा की साहित्यिक संस्था 'आरंभ' के तत्वावधान में तृतीय सांगठनिक बैठक भिलाई निवास के इंडियन कॉफी हाउस के सभागार में हुई। संस्था के मुख्य संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा एवं मुख्य सलाहकार आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा की उपस्थिति में मुख्य अतिथि नवें दशक के प्रगतिशील कवि शरद कोकास थे। अध्यक्षता देश के नामचीन कथाकार डॉ परदेशीराम वर्मा ने की।

स्वागत उद्बोधन अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य ने दिया। संचालन महासचिव नुरूस्सबाह खान 'सबा' ने किया और आभार व्यक्त कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रजनी नेलसन ने दिया। इस अवसर पर डॉ परदेशीराम वर्मा ने कहा कि लेखन में दृष्टि और दिशा हमें प्रतिबद्धता से मिलती है। अपने आसपास ही हमें लेखन की भरपूर प्रेरणा और सामग्री मिलती है, केवल दृष्टि चाहिए। भिलाई में यह 'आरंभ' परिणाम तक पहुंचकर यशस्वी बने। शरद कोकास ने ज्ञानवान मनुष्य का जिक्र किया। ज्ञान ऐसी चीज है जिसका कोई अंत नहीं। हम कितना कुछ कर लें फिर भी पूर्ण ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकते। किसी ना किसी जगह कमी रह ही जाएगी। आचार्य डॉ महेशचंद्र शर्मा ने कहा कि- स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क और अच्छी रचना का निवास होता है।

कैलाश जैन बरमेचा ने संस्था के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। विद्या गुप्ता ने एक मार्मिक कविता का पाठ किया। 'आरंभ' की तरफ से आगामी कार्यक्रम किसी एक महाविद्यालय में काव्य पाठ होगा। इस पर चर्चा हुई और काव्य पाठ करने वालों के नामों की भी घोषणा की गई। इस अवसर पर 'आरंभ' से जुड़े नए सदस्यों का सम्मान किया गया। ब्रजेश मल्लिक और राकेश गुप्ता 'रुसिया' ने 'आरंभ' की आजीवन सदस्यता ग्रहण की। संगठन में ब्रजेश मल्लिक को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और जाविद हसन को 'प्रवक्ता' की जिम्मेदारी दी गई।

इस अवसर पर ब्रजेश मल्लिक, अनिता करडेकर, डॉ अंजना श्रीवास्तव, दीप्ति श्रीवास्तव, विद्या गुप्ता, शानू मोहनन, शेफाली भट्टाचार्य, आलोक कुमार चंदा, प्रकाश चंद्र मण्डल, पल्लव चटर्जी, शुभेंदु बागची, शौकत इकबाल, डॉ इकबाल खान 'तन्हा', डॉ नौशाद अहमद सिद्दीकी 'सबा', जाविद हसन, ठाकुर दशरथ सिंह भुवाल, जसवंत मंडावी, डॉ विजय कुमार गुप्ता 'मुन्ना' और राकेश गुप्ता 'रुसिया' सहित अन्य उपस्थित थे।

10 दिवसीय शतरंज समर कोचिंग कैंप 16 अप्रैल से भिलाई में

भिलाई। जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा 16 अप्रैल से 25 अप्रैल तक रिसाली भिलाई स्थित प्रदेश शतरंज संघ के कार्यालय में दस दिवसीय शतरंज प्रशिक्षण शिविर आयोजित की गई है। जिसमें प्रशिक्षक सिनियर नेशनल आर्बिटर अनिल शर्मा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण शिविर का समय प्रति दिन 1 घंटा शाम 6 से 7 बजे तक रहेगा। शिविर में नवोदित खिलाड़ियों को शतरंज की चाल,नोटेशन लिखना तथा शतरंज की बारीकियां तथा अन्य जानकारी दी जायेंगी। जिला शतरंज संघ दुर्ग ने नवोदित खिलाड़ियों से इस प्रशिक्षण शिविर में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है। प्रशिक्षण शुल्क पांच सौ रुपए निर्धारित है ।उक्त शिविर में भाग लेने हेतु सिनियर नेशनल आर्बिटर अनिल शर्मा मो 7566511666 से संपर्क कर सकते हैं।

धनोरा-कातरों में 52.70 लाख के विकास कार्यों का विधायक ने किया भूमिपूजन व लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम धनोरा एवं ग्राम कातरों में आज ?52.70 लाख की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक ललित चंद्राकर उपस्थित रहे, जिन्होंने पूजा-अचर्ना कर कार्यों की आधारशिला रखी।

ग्राम धनोरा में डोमशेड निर्माण हेतु 10.00 लाख का भूमिपूजन किया गया। वहीं साहू छात्रावास से मकसूदन लाल सपरे के घर तक 7.00 लाख तथा वार्ड-01 आंगनबाड़ी से अथर्व कॉलेज तक 5.20 लाख की लागत से निर्मित सीसी रोड का लोकार्पण किया गया। इन कार्यों से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा और जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी।

ग्राम कातरों में 30.50 लाख की लागत से विभिन्न कार्यों का लोकार्पण किया गया, जिसमें 5.00 लाख की लागत से ओपन जिम, ठाकुर देव मंदिर के पास 7.00 लाख का अतिरिक्त कक्ष, 2.60 लाख की सीसी रोड, एचडीएफसी बैंक के पास 8.10 लाख का चबूतरा एवं सड़क तथा विभिन्न गलियों में 7.80 लाख की सीसी रोड शामिल है।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि क्षेत्र में जनता की मांग के अनुरूप विकास कार्य लगातार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि धनोरा में डोमशेड से सामाजिक व सांस्कृतिक आयोजनों को बेहतर सुविधा मिलेगी, वहीं सीसी सड़कों से ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं बुजुर्गों को आवागमन में सहूलियत होगी। कातरों में ओपन जिम से युवाओं को फिटनेस के प्रति प्रोत्साहन मिलेगा तथा मंदिर के पास अतिरिक्त कक्ष धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में उपयोगी साबित होगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी और सभी कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किए जाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की योजनाएं गांव-गांव तक पहुंच रही हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को धरातल पर उतारा जा रहा है। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी देवांगन, सरपंच श्रीमती रूलेश्वरी बंजारे, मंडल अध्यक्ष श्रीमती शीतला राजपूत, महामंत्री चंदू देवांगन, पूर्व जनपद अध्यक्ष चंद्रशेखर बंजारे, उपसरपंच श्रीमती संगीता सपरे सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जैन संत डॉ. मणिभद्र मुनि चातुर्मास के लिए दुर्ग पधारेंगे, जबलपुर में मनाया जन्मोत्सव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नेपाल से उग्र विहार कर बनारस के मार्ग से होते हुए जबलपुर में विराजमान जैन संत डॉ. मणिभद्र मुनि अपने साधु-साध्वी समुदाय के साथ आगामी चातुर्मास के लिए दुर्ग (छत्तीसगढ़) पधार रहे हैं। उनके आगमन को लेकर जैन समाज में उत्साह का वातावरण है।

जैन संत की आगवानी हेतु श्रमण संघ परिवार के युवा संगठन छत्तीसगढ़ युवा श्रमण संघ का 30 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल जबलपुर पहुंचा, जहां उन्होंने पूज्य गुरुदेव मणिभद्र मुनि जी महाराज, पुनित मुनि जी महाराज, सुदेश मुनि जी महाराज, प्रवचन प्रभाविका महासाध्वी लक्ष्मीजी महाराज, तप चंद्रीका महासाध्वी वैशाली जी महाराज साहब एवं महासाध्वी डॉ. सृजना जी महाराज के दर्शन-वंदन का लाभ लिया। साधु-साध्वी समुदाय चतुर्विध संघ के साथ दुर्ग में चातुर्मास करेंगे। इस अवसर पर जबलपुर स्थित जैन दादाबाड़ी में गुरुदेव श्री मणिभद्र मुनि जी का जन्मोत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत 130 श्रद्धालुओं ने एकासना तप की आराधना की।

लंबे अंतराल के बाद जबलपुर में किसी जैन संत के आगमन से जैन समाज में हर्ष और उल्लास का माहौल रहा। आध्यात्मिक एवं गरिमामय वातावरण में राष्ट्र संत श्री मणिभद्र मुनि का जन्मोत्सव मनाया गया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्र संत श्री मणिभद्र मुनि ने कहा कि उन्होंने दुर्ग संघ का नाम पूर्व में भी गुरु भगवंत एवं अन्य गुरु भाइयों से सुना है, और दुर्ग संघ सदैव चर्चा में बना रहता है। उन्होंने बताया कि उनके जन्मदिवस के अगले दिन उनके शिष्य सुदेश मुनि जी, महासाध्वी लक्ष्मी जी एवं डॉ. सृजना जी महाराज का जन्मदिवस भी एक सुखद संयोग है।

महा साध्वी लक्ष्मी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पूज्य गुरुदेव नेपाल केसरी श्री मणिभद्र मुनि जी महाराज ने लगभग 54,000 किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए अनेक भव्य चातुर्मास संपन्न किए हैं। उन्होंने इसे सौभाग्य बताते हुए कहा कि इस चातुर्मास को स्वर्णिम बनाने के लिए अधिक से अधिक लोगों को धर्म से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। छत्तीसगढ़ युवा श्रमण संघ के बैनर तले टीकम छाजेड़, राकेश संचेती, अनिल कुचेरिया, अशोक रतन बोहरा, प्रकाश कांकरिया, योगेश पारख, विक्रम पारख सहित श्रमण संघ स्वाध्याय मंडल के सदस्य गुरु दर्शन यात्रा में सम्मिलित हुए और साधु-साध्वी भगवंतों के दर्शन का लाभ प्राप्त किया।

दुर्ग में आवारा कुत्तों का आतंक, निगम की व्यवस्था पर कांग्रेस नेता ने उठाए सवाल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या अब नागरिकों के लिए गंभीर समस्या बनते जा रही है। विभिन्न वार्डों में लगातार कुत्तों के काटने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेता एवं पूर्व सभापति राजकुमार नारायणी ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के दावे केवल कागजों तक सीमित हैं, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति बिल्कुल अलग नजर आती है। यदि वास्तव में प्रभावी कार्रवाई की गई होती, तो शहर के चौक-चौराहों और गलियों में आवारा कुत्तों के झुंड दिखाई नहीं देते। कांग्रेस नेता राजकुमार नारायणी ने कहा कि जेवरा सिरसा में लाखों रुपये की लागत से बनाए गए डॉग हाउस का भी अब कोई अस्तित्व नहीं बचा है, जिससे समस्या और बढ़ गई है, वहीं सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बनाए गए फीडिंग जोन की भी उपेक्षा की जा रही है, जहां भोजन की समुचित व्यवस्था नगर निगम द्वारा नहीं की जा रही है।

उन्होंने सुझाव दिया कि नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों के गले में टैग लगाया जाना चाहिए, ताकि उनकी पहचान सुनिश्चित हो सके। लेकिन निगम द्वारा ऐसी पारदर्शी व्यवस्था नहीं अपनाई जा रही, जिससे भ्रष्टाचार की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस नेता श्री नारायणी ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। उन्होंने नगर निगम से तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की गई, ताकि शहरवासियों को इस समस्या से राहत मिल सके और वे सुरक्षित माहौल में जीवन यापन कर सकें।

किसानों ने खेतों की जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए जनदर्शन में लगाई गुहार

जनदर्शन में आज 140 आवेदन प्राप्त हुए, धमधा नाका अंडरब्रिज और सिंधिया नगर क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट व सड़क सीमेंटीकरण की मांग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 140 आवेदन प्राप्त हुए।

इसी कड़ी में जुनवानी-खम्हरिया मार्ग चौड़ीकरण से प्रभावित वार्ड क्रमांक 1 के निवासियों ने पुनर्व्यवस्थापन की मांग की। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा जुनवानी खम्हरिया नगर होते हुए आईआईटी भिलाई पहुंच मार्ग के दोनों तरफ प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण से करीब 50 वर्षों से रह रहे कई मकान और दुकान प्रभावित होंगे। रहवासियों ने वैकल्पिक व्यवस्था कराकर कब्जा खाली कराकर निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए आवेदन दिया। इस पर कलेक्टर ने ईई लोक निर्माण विभाग को कार्यवाही करने को कहा।

कोलिहापुरी के किसानों ने खेतों से पानी निकासी की समस्या के समाधान कराने आवेदन दिया। किसानों ने बताया कि कोलिहापुरी गांव में वालफोर्ट मंगलम सिटी का निर्माण होने के कारण बॉड्रीवाल का निर्माण किया जा रहा है, जिसके कारण किसानों के

खेतों में बारिश का पानी निकासी नही हो पा रहा है। लगभग 100 किसानों की खेती प्रभावित हो रही है। किसानों ने पानी निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की, ताकि उनकी कृषि प्रभावित न हो। इस पर कलेक्टर ने निरीक्षण कर तहसीलदार दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा।

वृंदा नगर बोरसी में वार्डवासियों ने नाले के गंदे पानी के तालाब में सीधे जाने की समस्या को लेकर कार्यवाही करने की मांग की। बस्ती का गंदा पानी नाली के माध्यम से सीधे तालाब में प्रवाहित हो रहा है, जिससे तालाब का पानी अत्यधिक दूषित एव अनुपयोगी हो चुका है। तालाब क्षेत्रवासियों के दैनिक उपयोग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान में गंदगी और मच्छरों के बढ़ने से जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। निवासियों ने नाली डायवर्जन या अन्य स्थायी समाधान कराने आवेदन दिया। इस पर कलेक्टर ने नगर निगम दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

धमधा नाका अंडरब्रिज और सिंधिया नगर क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट व सड़क सीमेंटिकरण की मांग की। क्षेत्र के रहवासियों ने बताया कि अंडरब्रिज में रोशनी की व्यवस्था नहीं होने से दुर्घटना का खतरा बना रहता है, वहीं सड़क की खराब स्थिति से लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। इस पर कलेक्टर ने एनएचएआई को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

उतई क्षेत्र के द्रोणाचार्य विद्यालय परिसर में अवैध कब्जे को लेकर शिकायत की गई। स्कूल के पंद्रह-बीस पान ठेले, मटेरियल सप्लायर ऑफिस और मुर्गी दुकानें परिसर में संचालित हैं, जिससे छात्र और महिला शिक्षकों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पान ठेलों में नशीले गुटखे तम्बाखू खुले आम बिक रहा है इससे हमारी भावी पीढ़ी पर इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता है। क्षेत्रवासियों ने भूमि कब्जामुक्त करने और सुरक्षा बाउंड्रीवाल बनाने की मांग की है। इस पर कलेक्टर ने सीएमओ उतई को निरीक्षण कर तत्काल कार्यवाही करने को कहा।

एआई आधारित शिक्षा से ज्ञान, कौशल और नवाचार का अग्रणी केंद्र बनाना हमारा ध्येय है : मुख्यमंत्री

रायपुर से शुरू होगा एआई सक्षम शिक्षा अभियान, छत्तीसगढ़ में 2 लाख से अधिक शिक्षकों को मिलेगा एआई प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गूगल फॉर एजुकेशन के प्रमुख संजय जैन एवं गूगल इंडिया के पब्लिक पॉलिसी प्रमुख राजेश रंजन ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने अतिथियों का पारंपरिक सम्मान करते हुए उन्हें शॉल एवं बस्तर कला की प्रतिकृति भेंट की।

गूगल फॉर एजुकेशन इंडिया के प्रमुख संजय जैन ने रायपुर जिला प्रशासन और गूगल के मध्य हुए लेटर ऑफ इंटेंट की जानकारी साझा करते हुए बताया कि रायपुर जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में एआई सक्षम शिक्षा अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के माध्यम से स्कूल शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नवाचारों को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सक्षम शिक्षक अभियान के तहत राज्य में शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल टूल्स और अकआधारित शिक्षण पद्धतियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस पहल के प्रथम चरण की शुरुआत रायपुर से की जाएगी, जिसके बाद इसे राज्य के सभी जिलों में विस्तार दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत 2 लाख से अधिक शिक्षकों को अक प्रमाणन प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए गूगल फॉर एजुकेशन अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म को निःशुल्क उपलब्ध कराने की योजना बना

रहा है, जिससे शिक्षकों को तकनीकी रूप से सशक्त किया जा सके।

कार्यक्रम के तहत प्रारंभिक चरण में 200 शिक्षकों की सहभागिता से विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें गूगल फॉर एजुकेशन टूल्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही, कक्षा शिक्षण में अकके प्रभावी उपयोग और विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीक-सक्षम और नवाचार आधारित बनाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों को शिक्षा से जोड़ना केवल एक पहल नहीं, बल्कि प्रदेश के विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इससे न केवल शिक्षण पद्धतियों में गुणवत्ता आएगी, बल्कि विद्यार्थियों के भीतर नए युग के कौशल विकसित होंगे, जो उन्हें आने वाले समय की चुनौतियों के लिए तैयार करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि एआई सक्षम शिक्षा अभियान जैसे कार्यक्रम शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए परिवर्तनकारी सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को अक आधारित प्रशिक्षण और डिजिटल संसाधनों से सशक्त कर कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है - छत्तीसगढ़ को एक ऐसे ज्ञान-आधारित और तकनीकी रूप से सशक्त राज्य के रूप में स्थापित करना, जहाँ हर विद्यार्थी को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और अवसरों से भरपूर शिक्षा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर एक सशक्त, आधुनिक और तकनीक-सक्षम शिक्षा व्यवस्था का निर्माण करना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव मुकेश बंसल, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

माँ भारती के वीर सपूत चंद्रशेखर आजाद को नमन : सीएम साय ने किया प्रतिमा का अनावरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा प्रवास के दौरान अंबिकापुर के आकाशवाणी चौक पर माँ भारती के वीर सपूत, अमर क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने महान स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस, त्याग और बलिदान को नमन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद का जीवन हर भारतीय के लिए राष्ट्रभक्ति, साहस और अदम्य वीरता की प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जी ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया और आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र सेवा का अमूल्य संदेश दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आजाद जी के आदर्श हमें यह सिखाते हैं कि राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ते हुए ही हम एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प को सिद्ध कर सकते हैं। यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं में देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रीय मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि नई पीढ़ी महान स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सके। इस अवसर पर कृषि मंत्री राम विचार नेताम, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने स्व. भुलऊ प्रसाद कौशिक को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक के बड़े भाई स्व. भुलऊ प्रसाद कौशिक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बिलासपुर के परसदा स्थित विधायक निवास में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर स्व. भुलऊ प्रसाद कौशिक के छायाचित्र पर

पुष्प अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि स्वर्गीय भुलऊ प्रसाद कौशिक का स्नेह, संस्कार और त्याग परिवार की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि उनका सरल, स्नेहमयी और विनम्र व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल दें। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, मरवाही विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

विद्यालयों में शैक्षणिक कार्यों को और अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुखी बनाएं- मंत्री यादव

राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, दीप मंत्र और सरस्वती मंत्र उच्चारण के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि विद्यालयों में शैक्षणिक कार्यों को अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुखी बनाना सुनिश्चित करें। पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, साइंस कॉलेज ग्राउंड, रायपुर में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम विद्यालयों के प्राचार्यों की राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन आज स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। उन्होंने सभी प्राचार्यों से अपेक्षा की गई कि वे डॉ. भीमराव अंबेडकर के समान समता, शिक्षा एवं सामाजिक न्याय के मूल्यों को आत्मसात करते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान दें तथा राज्य के शिक्षा स्तर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

बैठक का शुभारंभ राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, दीप मंत्र एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। साथ ही कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. भीमराव अंबेडकर की जीवनी के उल्लेख से

करते हुए उनके संघर्षों एवं नागरिकों को समान अधिकार दिलाने में दिए गए योगदान को स्मरण किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्यभर के लगभग 751 विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में शैक्षणिक कार्यों को अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुखी बनाना रहा। बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र हेतु बोर्ड परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए लक्ष्य निर्धारण, NEET एवं खएए जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थियों की भागीदारी एवं सफलता बढ़ाने की रणनीति, पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया, अंग्रेजी भाषा दक्षता में सुधार, पीटीए बैठकों की समीक्षा तथा पालक-अधिकारियों की भूमिका जैसे विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में सह-शैक्षणिक गतिविधियों की उपलब्धियां, स्मार्ट क्लास एवं पुस्तकालयों के प्रभावी उपयोग, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार तथा नवाचार आधारित गतिविधियों पर भी विचार- विमर्श किया गया। बैठक में सेजस के विजन मिशन की पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिसमें 4.22 लाख से अधिक अध्ययनरत विद्यार्थियों, स्मार्ट क्लासरूम, पुस्तकालय उपयोग, शिक्षकों की भर्ती, मॉनिटरिंग एवं विद्यार्थियों की उपलब्धियों की जानकारी साझा की गई।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने सभी प्राचार्यों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालयों का प्रदर्शन बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। उन्होंने शिक्षकों के मिलनसार व्यवहार, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों से मधुर संबंध तथा शिक्षण में ईमानदारी पर विशेष बल दिया। प्रत्येक छात्र पर व्यक्तिगत ध्यान देने और प्राचार्यों द्वारा कम से कम एक कक्षा लेने का भी निर्देश दिया गया। उन्होंने निर्देशित किया कि विद्यालयों में प्रतिदिन राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान एवं दीप मंत्र तथा छुट्टी के समय गायत्री मंत्र एवं शांति पाठ का आयोजन किया जाए। शनिवार को गतिविधि दिवस के रूप में मनाने, विद्यार्थियों को योग अभ्यास कराने एवं गार्डनिंग व हाउसकीपिंग जैसे कौशल सिखाने हेतु दो समूह अनिवार्य रूप से बनाने की बात कही।

शिक्षा मंत्री ने कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक के विद्यार्थियों पर विशेष फोकस रखते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु मार्गदर्शन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। प्रत्येक माह एक दिन निर्धारित कर ईग्लिश स्पीकिंग डे मनाने तथा विद्यालय परिसर में मोबाइल उपयोग पर नियंत्रण रखने के निर्देश दिए। उन्होंने एआई आधारित शिक्षण प्रणाली को बढ़ावा देने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। बैठक में समग्र शिक्षा आयुक्त श्रीमती किरण कौशल, संयुक्त सचिव श्रीमती फरिहा आलम सिद्दकी, एससीईआरटी के संयुक्त संचालक के. कुमार, उपसंचालक एन.एन. बंजारा, डीईओ हिमांशु भारतीय सहित प्रदेशभर से आए प्राचार्यगण उपस्थित रहे।

जनता से जुड़ी सभी सेवाएं को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के दायरे में होना चाहिए - विकासशील

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विकासशील ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि उनके विभाग के अंतर्गत ऐसी सभी सेवाएं जो सीधे जनता से जुड़ी है, उन सभी सेवाओं को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत अधिसूचित की जाये तथा अधिसूचित सेवाओं को ऑनलाईन किया जाये। समय सीमा में सेवाओं का लाभ हितग्राही को दिया जाए। समय सीमा में सेवाएं यदि नहीं दी जाती हैं तो संबंधित अधिकारी को उत्तरदायी ठहराया जायेगा और उसके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत उत्कृष्ट सेवा कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जायेगा।

मुख्य सचिव ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ शासन के सभी विभागों के भारसाधक सचिव की बैठक लेकर विभागों के अंतर्गत छत्तीसगढ़ लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत विभागीय सेवाओं के क्रियान्वन समीक्षा की। उन्होंने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत जनता से जुड़ी सभी शासकीय सेवाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर सेवाएं प्रदान करना हैं। मुख्य सचिव ने प्रत्येक विभाग के अंतर्गत लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत आने वाली सेवाओं की वर्तमान स्थिति की

विस्तार से समीक्षा की । मुख्य सचिव ने अधिकारियों के कहा कि वे अपने विभाग के अंतर्गत और सेवाएं जो अधिनियम के अंतर्गत लायी जा सकती है, उन्हे चिन्हित कर अधिसूचित करना सुनिश्चित करें और सुशासन एवं अभिसरण विभाग को इसकी सूची उपलब्ध कराएं। बैठक में बताया गया की छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लोक सेवा की प्रभावी क्रियान्वन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही हैं। मुख्य सचिव ने प्रस्तुतिकरण के जरिए विभिन्न विभागों के अधिकारियो को विभागीय सेवओं को लोक सेवा गारंटी अधिनियम में लाने के लिए मार्ग दर्शन दिया।

सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सचिव राहुल भगत ने प्रस्तुतिकरण के जरिए विभिन्न विभागों की लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत आने वाली सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। श्री भगत ने बताया की छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा विभिन्न राज्यों में जाकर लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत अधिसूचित सेवाओं का अध्ययन किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य के परिपेक्ष में प्रदाय की जा रहीं समानान्तर सेवाओं एवं संबंधित विभागों की सेवाओं की सांकेतिक रूप से मैपिंग की गई है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि वे अपने विभाग की और सेवाओं को चिन्हित कर अधिनियम के अंतर्गत अधिसूचित करने प्रस्तावित करें।

बैठक में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, पंचायत एवं ग्रामीण विकास की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक, आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार, खनिज विभाग एवं मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, वित्त एवं वाणिज्यिक कर विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल, ऊर्जा एवं जनसंपर्क के सचिव रोहित यादव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग एवं मुख्यमंत्री के सचिव बसवराजू एस., वाणिज्यिक कर (आबकारी) सुश्री आर. शंगीता, समाज कल्याण विभाग के सचिव भुवनेश यादव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, गामोउद्योग के सचिव श्यामलाल धावड़े सहित वन एवं जलवायु परिवर्तन, लोक निर्माण, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, सामान्य प्रशासन, स्कूल शिक्षा, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, परिवहन, वाणिज्यिक एवं उद्योग, आवास एवं पर्यावरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, श्रम, जल संसाधन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन सहित अन्य विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

फार्मेसी शिक्षा और शोध से बदलेगी स्वास्थ्य व्यवस्था

रायपुर। राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस के अवसर पर पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित फार्मा अन्वेषण 2026 कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम का आयोजन यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी द्वारा फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम की थीम "Future Pharma Ecosystem: Academia, Industry, ReseÖrch, Regulatory and Practice के बीच समन्वय रही, जिसमें फार्मेसी शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग के बेहतर तालमेल पर विशेष चर्चा की गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि फार्मेसी क्षेत्र स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ है और आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था में इसकी भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने के साथ-साथ फार्मेसी शिक्षा और रिसर्च को भी प्रोत्साहित कर रही है।

छत्तीसगढ़ में धान के अलावा दलहन-तिलहन व सब्जी की करें खेती : कृषि मंत्री रामविचार नेताम

जल जंगल, जमीन, संस्कृति और पर्यावरण, विरासत संरक्षण एवं संवर्धन में कॉमन्स की प्रभावी भूमिका-बोरा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कहा कि कॉमन्स पर जनजातीय समुदायों के अटूट विश्वास उनके सशक्तिकरण से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि जल जंगल, जमीन, संस्कृति और पर्यावरण, विरासत संरक्षण एवं संवर्धन में कॉमन्स की प्रभावी भूमिका है। उन्होंने न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन की बात करें तो स्थानीय लोग नीति-कार्यान्वयन में सबसे आगे हैं। उन्होंने कहा कि नीतिगत बदलाव के लिए सरकार एक समर्पित टास्क फोर्स बनाने की प्रक्रिया में है। इस टास्क फोर्स का उद्देश्य पूरे राज्य में अधिक प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम (पेसा) और वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) के मध्य संतुलित समन्वय

सुनिश्चित करना है। कॉमन्स सम्मेलन संवाद में सांस्कृतिक और पारंपरिक दृष्टिकोणों को केंद्र में रखा गया था, जिसकी शुरुआत पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित जागेश्वर यादव और श्री पांडी राम मंडावी तथा गौर मारिया नृत्य कलाकार सुश्री लक्ष्मी सोरी जैसे सम्मानित अतिथियों के प्रारंभिक उद्बोधनों से हुई।

साझा प्राकृतिक संसाधनों (कॉमन्स) के सुशासन और सामुदायिक संरक्षण पर केंद्रित दो दिवसीय छत्तीसगढ़ कॉमन्स कॉवीनिंग का शुभारंभ आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने किया। कार्यशाला नवा रायपुर ट्राइबल रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, सेक्टर-24, में आयोजित हो रहा है। यह आयोजन छत्तीसगढ़ शासन के जनजातीय विकास विभाग के सहयोग से प्रॉमिस ऑफ कॉमन्स पहल के अंतर्गत विभिन्न साझेदार संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है। कल 10 अप्रैल को मुख्य सचिव विकास शील जनजातीय नीति पर संवाद में शामिल होंगे। वहीं समापन सत्र में आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम शामिल होंगे।

श्री बोरा ने कहा कि इसके अलावा प्राकृतिक संसाधनों और जनजातीय विरासत के बीच गहरे जुड़ाव को पहचानते हुए, एक विशेष स्टूडियो स्थापित करने की योजना पर काम कर रहे हैं। जल्द ही यह प्रोजेक्ट सामने आएगा और यह स्टूडियो पारंपरिक लोक गीतों और स्वदेशी वाद्य यंत्रों की धुन, दस्तावेजीकरण, पहचान और कॉपीराइट सुरक्षा के लिए समर्पित होगा। इन साझा संसाधनों के संरक्षण के संबंध में, श्री बोरा ने कहा कि वैश्वीकरण और आधुनिक जीवन शैली जैसे चुनौतियों के बीच संतुलित तरीका अपनाते हुए, साझा ज्ञान का विकास कैसे करें और अपनी आकांक्षाओं, विरासत और भविष्य को कैसे बेहतर बनाएँ।

राज्य के विशाल प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा में सामुहिक देखरेख की महत्वपूर्ण भूमिका

आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव ने कहा कि यह सम्मेलन संवाद के लिए एक विशाल मंच साबित हुआ है, जिसमें छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों के विभिन्न हिस्सों से 300 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें विभिन्न संगठनों के नीति विशेषज्ञ, पंचायतों के प्रतिनिधि, शोधकर्ता और समुदाय के समर्पित सदस्य शामिल हैं। यह विविध समूह छत्तीसगढ़ में कॉमन्स (साझा संसाधन) के रूप में वर्गीकृत 70 लाख एकड़ जमीन पर चर्चा करने के लिए एकत्रित हुए हैं। इस जमीन में जंगल, घास के मैदान और जल निकाय शामिल हैं, जो ग्रामीण और जनजातीय आबादी के लिए जीवनरेखा का काम करते हैं। कॉमन्स कॉनक्लिंग के पहले दिन, विशेषज्ञों ने राज्य के विशाल प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा में सामुहिक देखरेख की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया।

संपादकीय

लड़ते-लड़ते दोनों थक गए थे, इसलिए अस्थायी युध्दविराम

कई बार आम जीवन में ऐसा होता है कि दो लोग मौखिक रूप से लड़ते लड़ते थक जाते हैं तो थककर चुप हो जाते हैं ।दोनों लड़ना चाहते हैं लेकिन थक गए हैं इसलिए लड़ना नहीं चाहते हैं ।दोनों इसलिए नहीं लड़ना चाहते हैं कि वह शांति चाहते हैं, दोनों इसलिए नहीं लड़ना चाहते हैं कि वह पड़ोसी उनकी लड़ाई से परेशान है ।अमरीका व ईरान भी ऐसे ही 40 दिन से लड़ने वाले देश हैं । दोनों चालीस दिन से लड़ते-लड़ते थक गए हैं ।दोनों को कई तरह से भारी नुकसान हुआ है । दोनों देशों की आंतरिक राजनीति में भी उनको नुकसान होने का अंदेशा है । दोनों लड़ते-लड़ते थक गए हैं,इसलिए अभी नहीं लड़ना चाहते हैं ।इसलिए दोनों अस्थायी युध्दविराम के लिए सहमत हो गए हैं ।

अमरीका व ईरान के बीच यह अस्थायी युध्दविराम है, भविष्य में दोनों फिर से लड़ सकते हैं ।ईरान ने तो अमरीका के सामने दस शर्ते रखी हैं । वहीं अमरीका भी ईरान के सामने कई शर्ते रखीं है । अभी दोनों लड़ना नहीं चाहते हैं इसलिए दोनों ने एक दूसरे के सामने शर्ते रखीं है और उस पर बातचीत शुरू करने सहमत हुए हैं । यानी शर्तो पर अभी कई दौर की बात होगी, दोनों के बीच जोरआजमाइश होगी । दोनों तरफ से दवाब डाला जाएगा कि उनकी शर्ते मानी जाएँ । ईरान तो कई दिनों से कह रहा है कि युध्द रुक सकता है बशर्ते अमरीकी ईरान की शर्ते मान लें। अमरीका ईरान की शर्ते नहीं मान रहा था इसीलिए तो युध्द रुक नहीं रहा था। बातचीत शुरू नहीं हो पा रही थी।

दोनों देशों के बीच युध्दविराम के सहमति बनी है तो इसके लिए ऊपरी तौर पर पाकिस्तान का नाम भले ही लिया जाए लेकिन भीतरी तौर पर चीन की ईरान से हुई बातचीत के बात ही ईरान युध्दविराम के लिए राजी हुआ है। पाकिस्तान का तो अमरीका ने उपयोग किया है, वह खुद सीधे ईरान के साथ बात नहीं करना चाहता था इसलिए पाक के जरिए संदेश भिजवाया गया कि युध्दविराम दोनों देशों के जरूरी है,युध्दविराम होने पर शर्तो पर बात हो सकती है,चीन ने ईरान को समझाया होगा कि युध्दविराम उसके लिए जरूरी है क्योंकि जितना लंबा युध्द होगा उतना ही ज्यादा ईरान को नुकसान होगा ।ईरान व अमरीका दोनों को बहुत नुकसान हो चुका है दोनों और नुकसान नहीं चाहते हैं, इसलिए दोनों को युध्द रोकने के लिए विवश होना पड़ा है ।

प.एशिया में युध्द में एक तीसरा पक्ष इजराइल भी है । अमरीका युध्दविराम के लिए राजी हो गया है तो इजरायल का राजी होना स्वाभाविक है ।दोनों देशों के बीच युध्दविराम पर इजरायल ने सहमति जताई है लेकिन इजराइल ने साफ कर दिया है कि लेबनान में उसके हमले जारी रहेंगे । हिजबुल्लाह के खिलाफ इजरायल की लड़ाई जारी रहेगी ।हम अपने लक्ष्यों को पूरा करेंगे,अभी कई लक्ष्य बाकी है ।यानी इजरायल ने साफ कर दिया है कि वह ईरान पर हमला नहीं करेगा लेकिन ईरान के पाले हुए हमास,हूती व हिजबुल्लाह को खत्म करने के लक्ष्य पर काम करता रहेगा ।यह बात ईरान को देरसबेर बुरी तो लगेगी । यानी इजरायल व ईरान के बीच तनाव इस वजह से बना रहेगा । इजरायल ईरान को अपने लिए खतरा मानता है और ईरान इजरायल को अपना एक नंबर दुश्मन मानता है तो प.एशिया में अशांति तो बनी रहने वाली है ।

देश में कांग्रेस सहित कई राजनीतिक दल पीएम मोदी की इस बात के लिए आलोचना करेंगे कि ईरान व अमरीका के युध्द को रुकवाने उसे मध्यस्थ की भूमिका क्यों नहीं निभाई ।उनको तो पीएम मोदी की आलोचना करनी है इसलिए ऐसा कहेंगे ही। कुछ दिनों व महीनों बाद उनको पता चलेगा कि पीएम मोदी ने दोनों के बीच मध्यस्तथा न करके अच्छा किया है । पीएम मोदी देश के तमाम नेताओं से राजनीति व कूटनीति में ज्यादा कुशल हैं, वह अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप को बखूबी जानते हैं कि वह अपने व देश के लिए कभी भी कुछ भी कह सकते हैं, कर सकते हैं ।वह आज शांति की बात कर रहे हैं तो आज ही युध्द की बात भी कर सकते हैं ।उनका भरोसा नहीं किया जा सकता । ऐसे में ट्रंप जब भी पलट जाएंगे तो उसका खामियाजा भारत को भुगतना पड़ता । होता क्या ईरान व भारत के संबंध खराब होते। जहां तक पाकिस्तान की तारीफ की बात है तो अमरीका व ईरान इसके लिए भले ही पाकिस्तान की आज सराहना करें लेकिन भविष्य में यही दोनों पाकिस्तान को बुरा बुरा कहने वाले हैं । युध्द विराम हुआ है, युध्द समाप्त नहीं हुआ है ।युध्द होगा तो यह पाकिस्तान की असफलता मानी जाएगी कि वह युध्दविराम नहीं करा सका ।

शांति समझौते के लिए पर्दे के पीछे तुकिर्ये-चीन

पुष्परंजन

पाकिस्तान ने शांति समझौते का एक ऐसा प्लेटफॉर्म मुहैया कराया है, जिसमें तीनों पक्ष विजयी भाव से सीना ताने दुनिया के समक्ष खड़े हैं । बुधवार रात नेतन्याहू ने कहा, ह्यकाम अभी अधूरा है, अभी और भी लक्ष्य पूरे करने हैं, हम उन्हें हासिल करेंगे—चाहे समझौते से, या फिर से लड़ाई शुरू करके । हमारी उंगली ट्रिगर पर है ह्ल ईरान ने भी विजयी भाव से कहा कि हमारी भी उंगलियां ट्रिगर पर है, कभी भी दबा देंगे । दुनिया यही मान रही है कि 39 दिनों से चल रहा युद्ध खत्म हो गया । लेकिन, फिक्र अभी बाक़ी है । शांति समझौते से अलग, एक और चौगुटा बैठक तुकिर्ये, सऊदी अरब, पाकिस्तान और मिस्र के विदेशमंत्री कर रहे हैं ।

पाकिस्तान ने कैसे वाशिंगटन और तेहरान का भरोसा जीता ? पाक पावर कॉरिडोर के लोग बताते हैं, ईरान पर पहले हमले हुए, तो विदेश मंत्री इशाक डार, जो उप-प्रधानमंत्री भी हैं, सऊदी अरब में थे, और ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन की एक बैठक में हिस्सा ले रहे थे। डार ने अराघची को फोन करके अपनी एकजुटता जाहिर की। इस्लामाबाद स्थित सनोबर इंस्टिट्यूट के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर कमर चीमा ने बताया, जब पाकिस्तान ने अमेरिकी हमलों की निंदा की, तो उसी पल उसने ईरानियों का भी दिल जीत लिया। पाकिस्तान ने जैसे स्वीकार किया, कि अमेरिकी हस्तक्षेप के बाद हमने भारत से युद्ध रोक लिया, ट्रंप हम पर फिदा हो गए।

सर्वोच्च नेता अली खामेनई की हत्या के बाद कराची में 1 मार्च को प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी दूतावास में घुसने की कोशिश की, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। वहां की शिया मुस्लिम आबादी, जो पाकिस्तान की 25 करोड़ की आबादी का 15 से 20 प्रतिशत है, इस पूरे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखे हुए थी। जैसे-जैसे सांप्रदायिक तनाव बढ़ा, मुनीर ने शिया धमर्गुरुओं को रावलपिंडी बुलाया, और चेतावनी दी, कि पाकिस्तान के भीतर किसी भी तरह की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यह दीगर है कि शिया इस्माइली मुसलमानों के आध्यात्मिक गुरु प्रिंस रहीम अल-हुसैनी ने भारत-पाकिस्तान के शासन प्रमुखों को मेल किया था, कि वो चाहें तो तेहरान में सुलह का प्रयास कर सकते हैं। प्रिंस रहीम अल-हुसैनी के अलावा तीन और शिया धमर्गुरुओं को तेहरान से विश्वास बहाली के वास्ते एक्टिवेट किया गया। इनमें शिया उलेमा काउंसिल के नेता सैयद साजिद अली नक़वी, दूसरे शिया इमाम अल्लामा नजीर अब्बास तकवी, और तहरीक-ए-नफाज-ए-फि क़्ह-ए-जाफरिया के प्रमुख, हुसैन मुक़द्दसी का नाम आया है।

बहरहाल, होर्मुज जलडमरूमध्य उन शर्तों के साथ फिर से खोलने की कोशिश है, जिनके तहत ईरान और ओमान ट्रांज़िट फीस वसूल सकेंगे। अभी बहुत कुछ तय होना बाक़ी है, जिसमें लेबनान का सवाल भी है। ठीक से देखा जाये, तो इस पूरे शांति प्रयासों में पाकिस्तान प्यादा भर है, असल गोट तुकिर्ये के राष्ट्रपति रिजप तय्यिप एदीआन, चीनी राष्ट्रपति शी, और यूरोपीय नेता खेल रहे थे। ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर को युद्धविराम के प्रयासों में एक प्रमुख वार्ताकार के रूप में देखा जा रहा है, जो विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

इस्लामाबाद में शुक्रवार को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ औपचारिक बातचीत का नेतृत्व संभवतः उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करेंगे, जिनके साथ ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर भी होंगे। कुशनर पहले भी ईरान के साथ बातचीत में शामिल रहे थे। 28 फरवरी को शुरू युद्ध में अमेरिका और इस्राइल ने मिलकर ईरान पर हमले किए, जिनमें सुप्रीम लीडर अली खामेनेई समेत कई शीर्ष नेतृत्व वाले मारे गए. ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस युद्ध ने 3500 से ज़्यादा लोगों की जान ले ली है, दुनिया की तेल सप्लाई के लगभग पांचवें हिस्सा अवरुद्ध हो गया। इस बिन बुलाये युद्ध की वजह से भारत की अर्थव्यवस्था चरमरा चुकी है।

अंकारा विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की सहायक प्रोफेसर, बेतुल डोगन-अक्कास ने कहा कि पाकिस्तान के दोनों पक्षों के साथ अच्छे संबंध होने के कारण, वह मध्यस्थ की भूमिका के लिए एक स्वाभाविक पसंद बन गया। यह हफ़्तों की कड़ी कूटनीति का नतीजा है; ऐसी कूटनीति जिसके बारे में बहुत कम लोगों को यकीन था, कि पाकिस्तान कर पाएगा। अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की, कि 22 से 23 मार्च के बीच, मुनीर ने सीधे तौर पर ट्रंप से बात की थी।

29 मार्च को, पाकिस्तान, सऊदी अरब, तुकिर्ये और मिस्र के विदेश मंत्री इस्लामाबाद में फिर से मिले। बैठक से पहले, शरीफ ने पेजेश्कियन के साथ लंबी बातचीत की; पांच दिनों में यह उनकी दूसरी बातचीत थी। बातचीत के बाद, डार पेइचिंग गए, जो चीन की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाक़ात की, और दोनों पक्षों ने एक पांच-सूत्री रूपरेखा तैयार की, जिसमें युद्धविराम, शीघ्र बातचीत, नागरिकों की सुरक्षा, होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते जहाज सेवाओं की बहाली, और संयुक्त राष्ट्र की बड़ी भूमिका शामिल थी।

जिन नेताओं से संपर्क किया गया, उनमें फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज और इटली की प्रधानमंत्री जियोजिर्या मेलोनी शामिल थे। पाकिस्तान की लीडरशिप ने खाड़ी और मुस्लिम जगत के नेताओं से भी बात की, जिनमें कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी, यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान शामिल थे। तुर्की ने नाटो के महासचिव मार्क रुटे और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फोन देयर लेयेन से संपर्क किया गया; यह पश्चिमी सहयोगियों के साथ समन्वय को दर्शाता है।

अंकारा के सूत्र बताते हैं, ह्यएदीआन ने कुवैत के अमीर शेख मिशाल अल-अहमद अल-जाबेर अल-सबाह, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव, इराकी कुर्द क्षेत्रीय सरकार के राष्ट्रपति नेचिरवान बरजानी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की, सूडान की संप्रभुता परिषद के प्रमुख अब्देल फत्ताह अल-बुरहान, ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कसीम-जोमार्ट टोकायेव के साथ भी बातचीत की थी।

इतनी जबरदस्त नेटवर्किंग अकेले पाक लीडरशिप के बस की नहीं थी. इस शांति प्रयासों में जितने विश्व नेताओं से संपर्क किये गए, उसका एक और लक्ष्य निर्धारित था, ह्यजो भी संवाद हो, माइनस मोदी होना चाहिए ।ह्ल चीनी राष्ट्रपति शी ने भी नहीं चाहा, कि पीएम मोदी से मशविरा किया जाये। सवाल है, पलट चुकी परिस्थितियों में भारत की भूमिका क्या होनी चाहिए ? एक ट्रम्प कार्ड है नेतन्याहू। वो चाहें तो पीएम मोदी का नाम भी शांति प्रयासों के वास्ते सुझा सकते हैं। लेकिन, नेतन्याहू ऐसा करेंगे क्या ? या फिर भारत, खामोशी से सब कुछ देखता रहे !

लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के जानकार हैं।

पानी आपूर्ति की निरंतरता व शुद्धता जरूरी

बजट में जल सुविधा विस्तार के लिए सरकार ने बड़ी राशि का प्रावधान किया है लेकिन जब तक सरकार ह्यनलह्ल लगाने की संख्या की होड़ छोड़कर ह्यजलह्ल की गुणवत्ता, वर्षा जल संचयन और जवाबदेह प्रबंधन पर ध्यान नहीं देगी, तब तक बजट की घोषणाएं सार्थक न होंगी।

भारत दुनिया की लगभग 18 प्रतिशत आबादी का घर है, लेकिन हमारे पास वैश्विक मीठे पानी के संसाधनों का केवल 4 प्रतिशत हिस्सा उपलब्ध है। यह असंतुलन ही देश में जल संकट की बुनियादी जड़ है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 60 करोड़ भारतीय उच्च से अत्यधिक जल तनाव का सामना कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या हम अपने नागरिकों को एक गिलास शुद्ध पानी देने में सक्षम हैं ?

इस साल के फरवरी 2026 में पेश किए गए केंद्रीय बजट में जल शक्ति मंत्रालय के लिए 67,600 करोड़ रुपये का आवंटन कर सरकार ने अपनी मंशा तो साफ कर दी है। लेकिन जल जीवन मिशन और अमृत जैसे प्रोजेक्ट्स के पिछले सात वर्षो के सफर को देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि व्यवस्था ने केवल पाइप बिछाने की गति को ही सफलता मान लिया, जबकि पानी की शुद्धता और उसकी निरंतरता को हाशिए पर धकेल दिया गया।

भारत के शहरी-ग्रामीण इलाकों में दूषित पानी को लेकर बात करें तो दिसंबर, 2025 से जनवरी 2026 के पहले सप्ताह के बीच ही देश के 26 प्रमुख शहरों में सीवेज मिश्रित पानी पीने से 5,500 से अधिक लोग बीमार हुए और कम से कम 34 लोगों की मौत दर्ज की गई। भारत का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दिसंबर, 2025 के अंतिम सप्ताह में पाइपलाइन में सीवेज का पानी मिलने से 37 लोगों की मौत हो गई और 1,400 से अधिक लोग अस्पताल पहुंच गए। इसी तरह, जनवरी, 2026 की शुरुआत में बेंगलुरु के पॉश इलाकों और गांधीनगर (गुजरात) में सैकड़ों बच्चे दूषित पानी के कारण टाइफाइड और डायरिया का शिकार हुए।

अगस्त, 2019 में जब जल जीवन मिशन शुरू हुआ, तब लक्ष्य था 2024 तक हर घर को नल से जोड़ना। सरकारी पोर्टल के अनुसार, जनवरी 2026 तक देश के लगभग 15.8 करोड़ घरों में नल लग चुके हैं। लेकिन इस संख्यात्मक सफलता के पीछे एक बड़ा ढांचागत दोष है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 79वें दौर के आंकड़ों के अनुसार, पाइपलाइन कवरेज के बावजूद केवल 39 प्रतिशत ग्रामीण घर ही नल के पानी को अपने प्राथमिक स्रोत के रूप में उपयोग कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में यह उपयोग दर 10 प्रतिशत से 30 प्रतिशत के बीच है।

देखा गया कि हजारों गांवों में पाइप और नल तो लगे हैं, लेकिन पानी का दबाव इतना कम है कि वह अंतिम घर तक नहीं पहुंचता। कई स्थानों पर तो नल केवल शोपीस बनकर रह गए हैं। फिर नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पहाड़ी क्षेत्रों के 60 प्रतिशत जल स्रोत सूख चुके हैं। मैदानी इलाकों में भूजल का स्तर इतनी तेजी से गिर रहा है कि नलों के लिए पानी का कोई स्थायी स्रोत ही नहीं बचा है। जवाबदेही की कमी के कारण पाइपलाइनें बिछाने के कुछ महीनों बाद ही फटने लगी हैं।

पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में भूजल का स्तर काफी नीचे गिर गया है। कृषि में वाटर गजलर फसलों (जैसे धान और गन्ना) के लिए अंधाधुंध पंपिंग ने जलभृतों (एक्वाफर्स) को सुखा दिया है। इन सभी कारणों से पानी की गुणवत्ता में भी गिरावट आ रही है। बड़ी मात्रा में सतही जल प्रदूषित है। भूजल में आर्सेनिक, फ्लोराइड और यूरेनियम की बढ़ती मात्रा कैंसर बेल्ट जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे रही है।

गांवों से पलायन और शहरों का अनियोजित विकास, सरकार द्वारा तैयार मूलभूत संरचना पर आवश्यकता से अधिक बोझ ने महानगरों को पानी के लिए कंगाल बना दिया है। दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइपलाइन लीकेज और सीवेज मिक्सिंग एक आम समस्या बन गई है।

सरकार द्वारा शहरी क्षेत्रों के लिए शुरू की गई महत्वाकांक्षी योजना ह्यअमृत 2.0 का लक्ष्य शहरों को वॉटर सिक्योर बनाना था। लेकिन संसदीय स्थायी समिति की दिसंबर 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, शहरी भारत में अभी भी बड़ी मात्रा में पानी नॉन-रेवेन्यू वॉटर के रूप में बर्बाद हो जाता है, जो मुख्य रूप से पाइपलाइनों के रिसाव के कारण होता है। सबसे बड़ी विफलता जल वितरण और सीवेज प्रबंधन के बीच समन्वय का अभाव है।

बजट 2026 में सरकार ने जल जीवन मिशन की समय सीमा को बढ़ाकर दिसंबर 2028 कर दिया है। यह एक मूक स्वीकारोक्ति है कि 2024 और 2025 के लक्ष्य पूरे नहीं हो सके। बजट में इस बार वेस्ट वॉटर रिसाइकिलिंग और यूज्ड वॉटर ट्रीटमेंट पर जोर दिया गया है, लेकिन इसके कार्यान्वयन के लिए आवश्यक तकनीकी कौशल शहरी निकायों के पास नहीं है। पिछले वित्त वर्ष में जल शक्ति मंत्रालय ने आवंटित बजट का एक बड़ा हिस्सा खर्च ही नहीं किया, जो प्रशासनिक कमजोरी को दर्शाता है।

बजट 2026 में राज्यों के लिए 67,600 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग तभी सार्थक होगा जब उसे क्वालिटी ऑडिट से जोड़ा जाए। आज भी देश के 230 जिलों में आर्सेनिक और 469 जिलों में फ्लोराइड पानी में घुला हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े चेतावनी देते हैं कि असुरक्षित पानी से भारत में होने वाली मौतें तेजी से बढ़ सकती हैं। बजट के आंकड़ों और धरातल की हकीकत के बीच जो गहरी खाई बन गई है, उसे भरने के लिए केवल धन की नहीं बल्कि एक ईमानदार और दीघर्कालिक विजन की आवश्यकता है।

बजट में जल सुविधा के लिए सरकार ने बड़ी राशि का प्रावधान किया है लेकिन जब तक सरकार नल लगाने की संख्या की होड़ छोड़कर जल की गुणवत्ता, वर्षा जल संचयन और जवाबदेह प्रबंधन पर ध्यान नहीं देगी, तब तक बजट की घोषणाएं सार्थक न होगी।

पंजाब व हरियाणा में मुश्किल दौर की आहट

निर्मल संधू

किसान तरनतारन का हो या रोहतक का या फिर बिहार अथवा यूपी का कोई प्रवासी मजदूर, उसने कभी सोचा भी नहीं होगा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ईरान में किया गया सैन्य ह्यदखलह्ल एक दिन उसकी ज़िंदगी पर इतना गहरा असर डालेगा कि उसके जीवन-यापन की लागत पर बन आएगी। भले ही अब इस्राइल और अमेरिका ईरान पर बमबारी बंद कर भी दें, लेकिन अगर राज्यों के चुनावों के बाद तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो स्थिति और भी बदतर हो सकती है।

ट्रंप के इस कदम ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया है और इसका असर भारतभर में महसूस किया जा रहा है। भले ही सरकार आर्थिक नुकसान के असर को ढांपने की कितनी भी कोशिश क्यों न कर ले। होर्मुज जलडमरू के बंद होने से दुनियाभर के तेल और गैस बाजारों में उथल-पुथल मच गई है, जिसके चलते महंगाई तेजी से बढ़ी है और भोजन एवं उर्वरकों की किल्लत पैदा हो गई है। यह संकट केवल गैस सिलेंडरों के लिए मची अफरा-तफरी या किसी शहर अथवा इलाके के पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लगी लंबी लाइनों तक ही सीमित नहीं है। भले ही सरकार पर्याप्त आपूर्ति सुचारु रखने का कितना भी भरोसा क्यों न दिला रही हो। इससे भी बड़ा खतरा है पूरे देश में आर्थिक मंदी छाने का, रोजगार के अवसर छिन जाने का, और लोगों की आमदनी कम हो जाने का।

पंजाब, हरियाणा और केंद्र सरकार में सत्तासीन राजनेता, जमाखोरी और मुनाफाखोरी पर लगाम कसने, आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुचारु बनाए रखने, विशेष रूप से कृषि व उद्योगों को वैश्विक ईंधन कीमतों के इस भीषण प्रहार से बचाने की योजनाएं बनाने की बजाय, अपना ज़्यादातर समय और ऊर्जा केवल अखबारों की सुखियां बटोरने में ही खर्च कर रहे हैं। भारत द्वारा अपने पारंपरिक शुभचिंतकों—ईरान और रूस को बिना सोच-विचार किए तज देने, और हमलावर मुल्कों— अमेरिका व इस्राइल का साथ देने से स्थिति में और ज़्यादा बिगाड़ आया है। देश को न केवल तेल और गैस के आयात के लिए, बल्कि उर्वरकों, विशेष रूप से नाइट्रोजन-आधारित यूरिया खरीदने के लिए भी अब कहीं ज़्यादा दाम चुकाने पड़ रहे हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि यूरिया उत्पादन में 30 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। चीन के बाद, भारत दुनियाभर में उर्वरकों का दूसरा सबसे बड़ा आयातक देश है। आपूर्ति में किसी भी मात्रा की कटौती का सीधा मतलब है कृषि उत्पादन में कमी आना और किसानों की आमदनी में गिरावट।

देश का ह्यअन्न भंडारह्ल कहे जाने वाले पंजाब और हरियाणा के कई लोगों के सामने अब अपने अस्तित्व को बचाए रखने का संकट खड़ा हो सकता है। कर्ज.चुकाना और भी मुश्किल हो सकता है, जिससे लोगों का मानसिक तनाव और भी बढ़ जाएगा। रसोई गैस सिलेंडरों की अनुपलब्धता के कारण प्रवासी मजदूरों का जो पलायन शुरू हुआ है, अगर उसे समय रहते प्रभावी ढंग से नहीं थामा गया, तो यह समस्या और भी गंभीर रूप ले सकती है; जिसका सीधा असर इन दोनों ही राज्यों में गेहूं की कटाई और धान की रोपाई पर पड़ सकता है। खाद की कमी से अन्न उत्पादन घट जाएगा, जिससे खाने-पीने की चीजों की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। इससे खासकर उन परिवारों के लिए मुश्किलें खड़ी होंगी, जिन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। सरकार का अनाज और खाद पर दी जाने वाली सब्सिडी का खर्च बहुत ज़्यादा बढ़ जाएगा। साथ ही, आर्थिक विकास की धीमी गति के कारण होने वाले राजस्व के नुकसान के परिणामवश कल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी ढांचे पर होने वाले खर्च में कटौती करनी पड़ेगी। मध्यम वर्ग की आय या तो स्थिर हो जाएगी या फिर उसमें गिरावट आएगी। रोजगार योजना में किए गए बदलाव के कारण पहले से ही दिहाड़ी और ठेके पर काम करने वाले मजदूरों के लिए रोजगार के अवसर कम हो चुके हैं। अब उन्हें काम मिलना और भी मुश्किल हो जाएगा।

विदेशी संस्थागत निवेशक शेयर और वस्तु बाजारों से अपना पैसा निकाल रहे हैं, जिसके कारण रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। इसका सीधा असर यह होगा कि आयात, विदेश यात्रा और विदेश में पढ़ाई करना और भी महंगा हो जाएगा। जैसे-जैसे लोगों के जीवन स्तर पर बुरा असर पड़ेगा, आय में असमानता और सामाजिक चिंताएं बढ़ेंगी। वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बनी यह विकट परिस्थिति, मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर सूबों—पंजाब और हरियाणा—के लिए अच्छे संकेत नहीं दे रही है, क्योंकि इन राज्यों में कीमतों में आया झटका ज्यादा खतरनाक है। हरियाणा में सरकार भाजपा की होने के कारण, हो सकता है केंद्र सरकार कुछ अतिरिक्त मदद कर दे और वह इस स्थिति से बेहतर ढंग से निपट पाए; लेकिन पंजाब को अपने हाल पर छोड़ दिया जाएगा। पंजाब में भाजपा के नेता, भगवंत मान सरकार को घेरने के लिए चुन-चुनकर मुद्दे तो उठाते हैं, लेकिन उन मसलों को नजरअंदाज कर देते हैं जिन पर केंद्र सरकार का ध्यान दिलवाये जाने की जरूरत होती है। ताजा बजट से पता चलता है कि पंजाब की विकास दर 6.1 प्रतिशत है, जो कि राष्ट्रीय औसत से कम है। अगर अर्थव्यवस्था इसी तरह लड़खड़ाती रही, तो राज्य पर वित्तीय दबाव और बढ़ सकता है। अगर पश्चिम एशिया का टकराव लंबा खिंचता है तो हाल ही में हुए निवेशक सम्मेलन में किए गए 55,000 करोड़ रुपये मूल्य निवेश के कई वादे सिर्फ.कागजों पर ही रह जाएंगे।

पंजाब से उच्चकोटि का बासमती चावल और खेल के सामान का निर्यात का ज़्यादातर हिस्सा होर्मुज जलडमरू से होकर गुजरता है, और लगभग 60 लाख टन माल बंदरगाहों पर फंसा हुआ है। बीमा और शिपिंग की दरें आसमान छूने के साथ-साथ, निर्यात में अनुमानित 50 प्रतिशत की गिरावट आने की संभावना है। कपड़ा और इंजीनियरिंग सामान निर्यात करने वाली कंपनियां, भुगतान में देरी होने के कारण काफी मुश्किल में हैं। परेशान निर्यातक चाहते हैं कि केंद्र सरकार तुरंत ह्यवस्तु-विनिमय प्रणालीह्ल शुरू करे जैसे कि कच्चे तेल के बदले बासमती चावल का लेन-देन।

लेकिन भयावहता इतनी होने के बावजूद भी पंजाब की अलग-अलग पार्टियों के नेताओं को उनकी नींद से नहीं जगा पाई है। अवसरवादिता और अल्प-कालिक चुनावी फायदों में पले-बढ़े ये नेता, आने वाले संकट के काले बादलों से बेखबर होकर, अपनी ढर्रे की राजनीति जारी रखे हुए हैं। किसी नेता की असली परख संकट के समय ही होती है। पिछले साल जब पंजाब में बाढ़ आई थी, तब भाजपा के कुछ मंत्रियों ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया था, आश्वासन दिए थे, लेकिन समय बीतने के साथ वे सब कुछ भूल गए। प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 1,600 करोड़ रुपये की राहत राशि पहुंचने का अभी भी इंतजार है। अब एक और संकट सिर पर खड़ा हो गया है और पंजाब में भाजपा के नेता इससे मुंह मोड़ रहे हैं। समस्या यह है कि दिल्ली में बैठा भाजपा का शीर्ष नेतृत्व उन्हें गंभीरता से नहीं लेता, और न ही किसी मुद्दे पर उनकी राय लेना जरूरी समझता है। भाजपा की प्राथमिकताओं की सूची में पंजाब का स्थान कहीं बहुत नीचे है। वे चंडीगढ़ स्थित अपने दफ़्तर के बाहर हुए एक धमाके पर भी खूब शोर मचाते हैं; वे इसके लिए पंजाब सरकार को ज़िम्मेदार ठहराते हैं। भूल जाते हैं कि किसी भी केंद्र-शासित प्रदेश में शांति भंग होने की स्थिति में, इसकी ज़िम्मेदारी उन्हीं के अपने केंद्रीय गृह मंत्री की बनती है।

जहां तक आप, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल की बात है तो इनमें शायद ही कोई ऐसा पाएदार नेता है, जो किसानों और निर्यातकों की ओर से हस्तक्षेप कर केंद्र सरकार से कोई सार्थक प्रतिक्रिया हासिल कर पाए। इसलिए, यह जिम्मेवारी पूरी तरह से भाजपा नेतृत्व के पसंदीदा नेताओं—जैसे कि हरदीप पुरी, रवनीत सिंह बिट्टू, तरनजीत सिंह संधू और पार्टी में हाल ही में शामिल हुए वकील एचएस फूलका की बनती है कि वे प्रधानमंत्री को इस बात के लिए राजी करें कि वे पश्चिम बंगाल चुनावों से इतर पंजाब के बारे में भी विचार करें। पंजाब का जो जायज हक़ है, उसे दिलाने की कोशिश करें।

शरीर में हार्मोन संतुलित करने के लिए रोज सुबह जरूर पिएं ये ड्रिंक, दूर होंगी कई समस्याएं

स्वस्थ रहने के लिए शरीर में हार्मोन्स का बैलेंस रहना भी बेहद जरूरी होता है। अगर आपके हार्मोन्स असंतुलित हो गए हैं तो संभव है कि आपको स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसे बैलेंस रखने के लिए लोग तरह-तरह के नुस्खे अपनाते हैं। कुछ लोग तो इसके लिए दवाओं का भी सेवन करते हैं। जबकि आप घर पर बनी मात्र एक हेल्दी ड्रिंक पीकर भी हार्मोन्स को बैलेंस कर सकते हैं। आइये डाइटिशियन ऋचा गंगानी से जानते हैं इस ड्रिंक को पीने से हार्मोन्स कैसे नियंत्रित होते हैं और इसे बनाने का तरीका।

कैसे बनाएं ये ड्रिंक?

- यह ड्रिंक बनाना काफी आसान है। इसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं।
- इस ड्रिंक को बनाने के लिए आपको घी और नारियल का तेल लेना है।
- अब इसके बाद आपको हल्दी और काली मिर्च लेनी है।
- यह सामाग्रियां जुटाने के बाद आपको एक गिलास पानी गर्म करना है।
- अब गर्म पानी में सबसे पहले एक चम्मच घी मिलाएं। इसके बाद इसमें अन्य सामग्रियां डालें।
- इस ड्रिंक एक साथ मिलाकर आप सुबह खाली पेट इसे पी सकते हैं।

हार्मोन्स बैलेंस करने में मददगार

अगर आपको हार्मोनल इंबैलेंस की समस्या है तो ऐसे में इस ड्रिंक को जरूर पिएं। इसमें घी और हल्दी की मात्रा होती है, जो शरीर में हार्मोन्स के उत्पादन को कंट्रोल करने के साथ ही उसे बैलेंस रखने में भी मदद करती है। यह ड्रिंक शरीर में होने वाले ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करके हार्मोन्स के इंबैलेंस को कम करने में मददगार साबित होती है। सुबह के समय घी खाने से शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन्स का लेवल बैलेंस रहता है।

इस ड्रिंक को पीने के अन्य फायदे

- यह ड्रिंक सेहत के लिए अन्य भी कई तरीकों से फायदेमंद साबित होती है।
- अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो भी इस ड्रिंक को पी सकते हैं।
- इसे पीने से पाचन प्रक्रिया तेज होने के साथ ही मेटाबॉलिज्म भी दुरुस्त रहता है।
- इस ड्रिंक को पीने से शरीर की थकान दूर होती है साथ ही उर्जा की कमी महसूस नहीं होती है।

गर्मियों में बढ़ जाता है टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन का जोखिम

गर्मी में बैक्टीरियल स्किन इन्फेक्शन होना बहुत ही आम बात है। वैसे तो स्किन इंफेक्शन के लक्षण बहुत ही आम होते हैं, लेकिन कुछ इंफेक्शन ऐसे भी होते हैं, जो कुछ ही लोगों को होते हैं। इन्हीं इंफेक्शन में से एक है टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन। टिनिया नाइग्रा इन्फेक्शन क्या है, इसके लक्षण क्या हैं और इससे बचाव करने के लिए क्या किया जा सकता है

गर्मी के मौसम में तेज धूप, लू, पसीने और धूल-मिट्टी की वजह से स्किन इंफेक्शन का खतरा ज्यादा रहता है। ऐसा कोई व्यक्ति नहीं होगा जिसको अपनी लाइफ में किसी तरह का स्किन इंफेक्शन जरूर होता। विशेषकर गर्मी में बैक्टीरियल स्किन इन्फेक्शन होना बहुत ही आम बात है। वैसे तो स्किन इंफेक्शन के लक्षण बहुत ही आम होते हैं, लेकिन कुछ इंफेक्शन ऐसे भी होते हैं, जो कुछ ही लोगों को होते हैं। इन्हीं इंफेक्शन में से एक है टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन। टिनिया नाइग्रा इन्फेक्शन क्या है, इसके लक्षण क्या हैं और इससे बचाव करने के लिए क्या किया जा सकता है।

क्या है टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन

टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन एक दुर्लभ प्रकार का फंगल इंफेक्शन है। यह इंफेक्शन मुख्य रूप से पैरों के तलवे और हथेलियों को प्रभावित करता है। कुछ मामलों में यह इंफेक्शन पूरे शरीर को प्रभावित कर सकता है। गर्मी के मौसम में जिन लोगों को पसीना ज्यादा आता है, उन्हें नाइग्रा इंफेक्शन होने का खतरा ज्यादा रहता है। टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन शरीर पर काले धब्बे की तरह विकसित है। कुछ केस में इसके धब्बे भूरे और लाल भी हो सकते हैं।

टिनिया नाइग्रा इन्फेक्शन के लक्षण क्या हैं

टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन त्वचा पर खुरदरे, भूरे या काले धब्बे के रूप में दिखाई दे सकता है। शुरुआत में कुछ लोग टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन को स्किन कैंसर समझने की भूल कर सकते हैं, क्योंकि यह समय के साथ बड़ा होता जाता है। लेकिन डॉक्टर के पास जाने से आपके कई भ्रम दूर हो सकते हैं। टिनिया नाइग्रा काला धब्बा त्वचा के कैंसर से अलग होगा क्योंकि इसका आकार अजीब होता है। यदि आपके हाथों पर टिनिया नाइग्रा है, तो आप पाएंगे कि इसका रंग पूरे दिन बदलता रहता है। यह सुबह के समय गहरे भूरे रंग से लेकर शाम के समय हल्के रंग तक हो सकता है। इस इन्फेक्शन के लक्षण हथेलियों पर दिनभर काम करने और आपने किस तरह की चीजों को छुआ है, इस पर आधारित हो सकते हैं। यह इंफेक्शन आमतौर पर हाथों की हथेलियों और पैरों के तलवों को प्रभावित करता है। कुछ मामलों में यह गर्दन पर भी विकसित हो सकता है। चूंकि टिनिया नाइग्रा इंफेक्शन के कारण ज्यादा लोगों को परेशानी नहीं होती है, इसलिए इस इंफेक्शन का पता बहुत लंबे समय के बाद पता चलता है।

टिनिया नाइग्रा होने का कारण क्या है

यह स्किन इन्फेक्शन हॉर्टिया वर्नेकी नामक कवक के संपर्क में आने के बाद होता है। हॉर्टिया वर्नेकी अत्यधिक खारे वातावरण या अत्यधिक उच्च नमक सामग्री वाले स्थानों पर पनपता है। टिनिया नाइग्रा की ऊष्मायन अवधि लंबी होती है। इसका मतलब यह है कि हॉर्टिया वर्नेकी के संपर्क में आने के बाद यह तुरंत दिखाई नहीं देता है। फंगस के संपर्क में आने के कम से कम 2 से 7 सप्ताह बाद आप अपनी त्वचा के रंग में बदलाव देखने को मिलते हैं। यही वजह है कि टिनिया नाइग्रा इन्फेक्शन के लक्षण देरी से नजर आते हैं।

टिनिया नाइग्रा का इलाज क्या है

यदि आपको लगता है कि आपको टिनिया नाइग्रा है, तो आपको स्किन स्पेशलिस्ट से मिलना चाहिए। स्किन स्पेशलिस्ट यह जानने के लिए संक्रमित क्षेत्र का एक नमूना लेंगे कि आपको टिनिया नाइग्रा है या नहीं। यदि आपके टेस्ट का रिजल्ट पॉजिटिव आता है, तो आप एंटीफंगल स्किन क्रीम के जरिए इसे ठीक कर सकते हैं। 2 से 4 सप्ताह के लगातार उपयोग के बाद एंटी फंगल स्किन क्रीम आपके टिनिया नाइग्रा को ठीक कर देगी।

आप भी पीते हैं नमक वाली चाय?

जानें इससे होने वाले गंभीर नुकसान

चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से अपच, एसिडिटी और ब्लड प्रेशर समेत कई गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

चाय भारत में पानी के बाद सबसे ज्यादा पी जाने वाली ड्रिंक है। इसका सेवन बड़े-बूढ़ों से लेकर बच्चे भी करते हैं। चाय का मार्केट इतना बड़ा है कि दुनियाभर में अलग-अलग तरह की चाय मिलती है। आमतौर पर लोग दूध वाली चाय का ही सेवन करते हैं। भारत में मसाला चाय और हर्बल चाय का भी चलन है। सावधानीपूर्वक और सही तरीके से चाय का सेवन करने से शरीर को फायदे भी मिलते हैं। लेकिन गलत तरीके से इसका सेवन करना सेहत के लिए गंभीर होता है। चाय का सेवन करने वाले कुछ लोग इसमें नमक मिलाकर भी पीते हैं। नमक वाली चाय सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकती है।

नमक वाली चाय पीने के नुकसान

नमकीन चाय एक प्रकार की चाय है जिसमें नमक और अन्य मसाले डाले जाते हैं। अक्सर लोग चाय बनाते समय दूध के साथ कुछ मात्रा में नमक भी डाल देते हैं। सर्दी-जुकाम या इन्फेक्शन होने पर भी लोग नमकीन चाय का सेवन करते हैं। नक्लीनिकल डाइटिशियन कहते हैं, चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीना नुकसानदायक होता है। नमक वाली चाय का सेवन करने से कई गंभीर नुकसान का खतरा रहता है। इसलिए चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से बचना चाहिए। नमक वाली चाय पीने के नुकसान इस तरह से हैं-

हाई ब्लड प्रेशर - दूध वाली चाय में नमक डालकर पीने से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा रहता है। नमक ज्यादा खाने से ब्लड में नाट्रियम की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे बीपी बढ़ सकता है।

शरीर में पानी भरना - नमक वाली चाय का ज्यादा सेवन करने से शरीर में पानी भर सकता है। इसकी वजह से पेशाब की समस्या भी हो सकती है।

गैस और एसिडिटी - नमक के अधिक सेवन से पाचन तंत्र में समस्याएं हो सकती हैं, जिससे गैस और एसिडिटी का खतरा रहता है। यह पेट में असहजता और तकलीफ का कारण बन सकता है।

पाचन तंत्र के लिए हानिकारक - नमकीन चाय का अधिक सेवन करने से पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचता है। इससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

शरीर में पानी की कमी - नमक के अत्यधिक सेवन से शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है, जिससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

नुकसान से कैसे बचें?

नमक वाली चाय का सेवन शरीर में ऊपर बताई गई समस्याओं का कारण हो सकता है। इसके अलावा चाय का भी ज्यादा मात्रा में सेवन करने से कई गंभीर नुकसान होने का खतरा रहता है। चाय पीने की वजह से होने वाले नुकसान से बचने के लिए हेल्दी डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल अपनानी चाहिए। इसके नुकसान से बचने के लिए डाइट में फल, सब्जी और हेल्दी चीजों को शामिल करें। नियमित रूप से व्यायाम और एक्सरसाइज का अभ्यास करने से भी इसके नुकसान को कम करने में मदद मिलती है।

मासिकधर्म से जुड़ी समस्याएँ

महिलाओं में तेजी से बढ़ती एक सामान्य स्वास्थ्य चिंता

मासिकधर्म से जुड़ी समस्याएँ आज महिलाओं में तेजी से बढ़ती एक सामान्य स्वास्थ्य चिंता बनती जा रही हैं, जो उनके दैनिक जीवन और कार्य क्षमता को प्रभावित करती हैं। इन्हीं समस्याओं में एक प्रमुख स्थिति है प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम, जिसे एक दीर्घकालिक और चक्रीय विकार माना जाता है। यह समस्या आमतौर पर मासिकधर्म शुरू होने से 5 से 7 दिन पहले दिखाई देती है और इसका संबंध प्रजनन आयु में होने वाले स्टेरॉय डल हार्मोनों के उतार-चढ़ाव से माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, पीएमएस का मुख्य कारण सामान्य हार्मोनल परिवर्तनों के प्रति शरीर की असामान्य संवेदनशीलता और अत्यधिक प्रतिक्रिया हो सकता है।

आंकड़ों के अनुसार, विश्वभर में लगभग 40 मिलियन महिलाएँ पीएमएस से प्रभावित हैं, जबकि भारत में इसकी व्यापकता 61.7% से 72.3% के बीच बताई जाती है, जो इसकी गंभीरता को दर्शाता है। इस समस्या से जुड़े 150 से अधिक लक्षण पाए जाते हैं, जिनमें वजन बढ़ना, जोड़ों और मांस पेशियों में दर्द, मुंहासे, पीठदर्द, पेटफूलना, पेट में ऐंठन, ऊर्जा की कमी, भूख और प्यास में बदलाव, कब्ज, हृदयगति मे वृद्धि, दैनिक गतिविधियों में रुचिकी क मी, सिर दर्द, चिड़चिड़ापन, तनाव, उदासी, थक न, स्तनों में संवेदनशीलता और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई शामिल हैं। हालांकि PMS के लक्षणों को कम करने के लिए दवाइयों (फार्माकोलॉजिकल) और बिना दवा के उपायों (नॉन-फार्माकोलॉजिकल) दोनों का सहारा लिया जाता है, लेकिन अब तक इसका कोई निश्चित इलाज उपलब्ध नहीं है। इस संदर्भ में ऑटोजेनिकट्रेनिंग (Autogenic Training - AT) एक प्रभावी और सुरक्षित विकल्प के रूप में उभर रही है। यह एक रिलैक्सेशन तकनीक है, जिसे 1930 में शुल्ट्ज द्वारा विकसित किया गया था। इसमें छह विशेष वाक्यों की मानसिक पुनरावृत्ति के माध्यम से शरीर की संवेदनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है और धीमी वनियंत्रित श्वास को अपनाया जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऑटोजेनिक ट्रेनिंग से मानसिक शांति और गहरी विश्राम अवस्था प्राप्त होती है, जिससे शरीर के सिम्पेथेटिक और पैरासिम्पेथेटिक तंत्र के बीच संतुलन स्थापित होता है। यह प्रक्रिया दर्द को कम करने में भी सहायक होती है, क्योंकि इससे ऊतकों की ऑक्सीजन की आवश्यकता कम होती है, लैक्टिकएसिड का अपघटन होता है, मांसपेशियों का तनाव और चिंता घटती है, और शरीर में एंडोर्फिन जैसे प्राकृतिक दर्द निवारक हार्मोन का स्राव बढ़ता है। इस प्रकार, PMS जैसी समस्या के प्रबंधन में जागरूकता और रिलैक्सेशन तकनीकों का अभ्यास महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

मासिकधर्म से पहले होने वाली समस्याओं का समाधान: पीएमएस और ऑटोजेनिक ट्रेनिंग की भूमिका

- **डॉ शालिनी (पीटी),** सहायक प्रोफेसर, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय
- **डॉ. दिव्या खाती (पीटी),** सहायक प्रोफेसर, रयात बाहरा विश्वविद्यालय, मोहाली
- **और डॉ. श्वेता वर्मा (पीटी),** सहायक प्रोफेसर, रयात बाहरा विश्वविद्यालय, मोहाली

'बॉर्डर 2' के बाद फिर एक्शन पैक फिल्म की शूटिंग में लगे सनी देओल

'बॉर्डर 2' जैसी दमदार फिल्म की सफलता के बाद सनी देओल अगली फिल्म की तैयारियों में लग चुके हैं। वे फिलहाल इस फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने मुंबई का शूटिंग शेड्यूल पूरा कर लिया है और अब वे गोआ में बचे हुए सीन शूट करेंगे। इस फिल्म में उनके साथ कुछ और खास कलाकार शामिल होंगे।

फिल्म की कहानी

फिल्म की कहानी गोवा में फैले एक क्राइम सिंडिकेट के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें सनी देओल एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे, जो इस गैंग को खत्म करने की कोशिश करता है। इसलिए फिल्म के सबसे बड़े एक्शन सीन भी यहीं प्लान किए गए हैं।

ये होगी फिल्म की कास्ट

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल 'एंटनी' फिल्म में नजर आने वाले हैं। ये एक एक्शन फिल्म होगी। फिल्म में सनी देओल के साथ ज्योतिका और विजय वर्मा भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे, जिसमें विजय वर्मा विलेन का किरदार निभा रहे हैं। 'एंटनी' खास इसलिए भी है क्योंकि यह पहली बार है जब प्रोड्यूसर फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी सनी देओल के साथ काम कर रहे हैं।

अब गोवा में होगी शूटिंग

बता दें कि उन्होंने फिल्म के लिए मुंबई शेड्यूल पूरा कर लिया है। अब वह अगले शेड्यूल के लिए गोवा जा रहे हैं, जहां वह डायरेक्टर बालाजी गणेश के निर्देशन में जबरदस्त एक्शन सीन शूट करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, गोवा में लगभग एक महीने का लंबा शेड्यूल होगा, जो फिल्म के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। यहां फिल्म के बड़े-बड़े एक्शन सीक्वेंस शूट किए जाएंगे, जो कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे।

फिल्म में होंगे दमदार एक्शन सीन

एक बड़े एक्शन सीन में तेज रफ्तार से गाड़ियों का पीछा करना दिखाया जाएगा, जो गोवा की सड़कों पर शूट होगा। इसके बाद समुद्र किनारे जोरदार फाइट सीन भी देखने को मिलेगा। सूत्रों के मुताबिक बताया कि टीम एक नाइट शूट की भी तैयारी कर रही है, जिसमें धमाके और खतरनाक स्टंट्स होंगे। खास बात यह है कि सनी देओल इन एक्शन सीन का बड़ा हिस्सा खुद करते नजर आएंगे।

यामी गौतम ने इस बात को लेकर की सारा अर्जुन की तारीफ

फिल्म 'धुरंधर 2' की कामयाबी से आदित्य धर के साथ उनकी पत्नी यामी गौतम भी खुश हैं। उन्होंने 'धुरंधर 2' की लीड एक्ट्रेस सारा अर्जुन की तारीफ की है। उन्होंने युवा अभिनेत्री के अभिनय और लगन की जमकर सराहना की है। आइए देखते हैं कि यामी ने सारा अर्जुन के बारे में क्या कहा?

सारा अर्जुन की पोस्ट में क्या है?

हाल ही में सारा अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने फिल्म के सेट के पीछे की तस्वीरें शेयर की। एक लंबे नोट में, उन्होंने आदित्य धर, प्रोडक्शन हाउस, कॉस्ट्यूम डिजाइनरों, कास्टिंग डायरेक्टर, एडिटर, सिनेमैटोग्राफर और फिल्म पर काम करने वाले हर व्यक्ति के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी पोस्ट का समापन इन शब्दों के साथ किया, 'एक्टर पोस्टर पर दिखने वाले चेहरे होते हैं, लेकिन आप इस सिनेमा की रीढ़ हैं। धुरंधर की पूरी टीम का धन्यवाद।' इस पोस्ट पर यामी गौतम ने कमेंट किया। उन्होंने सारा की तारीफ की। उन्होंने

लिखा 'तुम ही आज और कल हो, सारा... तुमने जो किया है, उस पर मुझे बहुत गर्व है।' इस पोस्ट पर सारा अर्जुन ने रिप्लाई करते हुए लिखा 'आभार जताने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।'

आदित्य धर ने किया रिप्लाई

सारा की पोस्ट पर कमेंट करते हुए आदित्य धर ने लिखा 'जिस तरह से आप चीजों को महसूस करती हैं, उसमें एक हिम्मत है। जिस तरह से आप दुनिया को दिखाती हैं, उसमें गरिमा है। इस सफर पर भरोसा करने के लिए और ईमानदारी के साथ डटे रहने के लिए आपका धन्यवाद।' एकता कपूर ने बताई 'भूत बंगला' के टलने की असली वजह, 'धुरंधर : द रिवेंज' को लेकर कही ये बात

'धुरंधर 2' में सारा का किरदार

'धुरंधर 2' में जहां रणवीर सिंह ने हमजा अली का किरदार निभाया है। वहीं सारा अर्जुन ने इसमें उनकी पत्नी यलीना का किरदार निभाया है। इसमें संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर माधवन और राकेश बेदी भी अहम किरदारों में हैं।

वर्दी पहनते ही रीढ़ की हड्डी को अकड़ मिल जाती है

एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस बीच हाल ही में एक्टर ने विवज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में सेनाधिकारी की भूमिका अदा करने का अनुभव शेयर किया। उन्होंने सेना की वर्दी पहनने पर कुछ ऐसा कहा, जिसने लोगों का दिल जीत लिया है।

अक्षय ने एक सेनाअधिकारी की वर्दी पहनने के बाद भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से होने वाले बदलाव का जिक्र किया। अक्षय कुमार ने कहा, 'एक बात मैं सब से जरूर कहना चाहूंगा कि जब आदमी वर्दी पहनता है ना, अपने आप रीढ़ की हड्डी को एक अकड़ मिल जाती है। मुझे नहीं पता क्या है? आप सूट पहनो, अकड़ नहीं मिलेगी। लेकिन, जब आप वर्दी पहनते हो, रीढ़ की हड्डी में पता नहीं कहां से वो जोश आता है...तड़ाक कर के सीधी हो जाती है'।

'रुस्तम' का अनुभव किया साझा

अक्षय कुमार ने सेना के अधिकारी की भूमिका निभाने को लेकर कहा कि किसी भूमिका के लिए वर्दी पहनने से भी मुद्रा और माइंडसेट में बदलाव आता है। उन्होंने आगे कहा, 'जैसा मैं 'रुस्तम' फिल्म के अंदर खड़ा था, मुझे नहीं लगता मैं हमेशा ऐसा खड़ा हो सकता हूं। वो नकली वर्दी थी, लेकिन वर्दी की बात ही अलग होती है'। बता दें कि अक्षय ने फिल्म 'रुस्तम' में नेवी ऑफिसर की भूमिका अदा की। इस फिल्म में अपने प्रदर्शन के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था।

कब रिलीज होगी 'भूत बंगला'

अक्षय ने फिल्म से जुड़ी कुछ लाइनें सुनाते हुए कहा, 'मेरी वर्दी मेरी आदत है, जैसे सांस लेना। अपने देश की रक्षा करना, ये झिझक के बिना, निस्वार्थ अपना फर्ज निभाना। मुझे अभी भी सारी लाइनें याद हैं'। बात करें अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' की तो यह फिल्म 16 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

हमारे यहां हिंदुस्तान में कभी हुनर की कद्र नहीं की जाती

मनोज बाजपेयी बीते दिनों इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल दिल्ली के एक सेशन में शामिल हुए, तो पुराने दिनों को भी याद किया, जब 18 साल की उम्र में वह बिहार के अपने गांव से एक्टिंग सीखने के लिए राष्ट्रीय राधानी आए थे। वह संघर्ष, अनिश्चितता और इंडस्ट्री में 32 साल लंबा समय बिताने, जिसके बारे में वह सोचते थे कि यहां पर स्टार्स को ही तवज्जो मिलती है। उनका मानना है कि यह इंडस्ट्री, साथ ही मीडिया और दर्शक भी फिल्म स्टार्स के पीछे पागल हैं और कई टैलंटेड एक्टर्स को समय पर उनका हक नहीं देते।

2012 में जब आप 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के प्रीमियर के लिए Cannes में थे, तब आपने कहा था कि इंडियन मीडिया हमारी बात नहीं करता। अब आप क्या सोचते हैं?

हमारे हिंदुस्तान में टैलंट को कभी सेलिब्रेट ही नहीं किया गया। आप किस चीज को सेलिब्रेट कर रहे हैं? आज अगर आप सोशल मीडिया पर जाइए, तो जो फिल्म हिट हो रही है, उनकी परफॉर्मेंस की चर्चा नहीं होती। डायरेक्टर के ब्रिलियंट क्राफ्ट की चर्चा नहीं होती। कौन से एक्टर ने कितना बढ़िया काम किया, उसकी बात नहीं होती है। हम बात क्या करते हैं? आज 100 करोड़ पार कर गया, कल 150 करोड़ हो जाएगा, कोई दूसरा कहता है, नहीं 200 हो जाएगा। फिल्में नंबर्स के तौर पर सेलिब्रेट होती हैं या फिर बात होती है कि उस ऐक्टर का हेयरस्टाइल कितना बढ़िया है, उसने कौन से डिजाइनर की ड्रेस पहनी है। हम लोग फिल्मों के बारे में या किसी भी काम को लेकर, हम ना टैलंट की बात करते हैं, ना क्राफ्ट की बात करते हैं। हमने अपने आपको एक दर्शक के तौर पर, एक मीडिया के तौर पर उसी दायरे में रखा है।

फिल्म की पहचान अगर पैसे से होती है, तो कलाकार की पहचान भी उस पैसे से होती है कि वह कितनी फीस मांग रहा है? क्या अब भी वही चल रहा है या कुछ बदला है?

एक हीरो ने बहुत अच्छी बात मुझसे कही थी। मैं नाम नहीं लूंगा। मैंने उससे कहा- भाई आप बहुत सिक्योर एक्टर हो यार। तो उन्होंने कहा कि यार बहुत सीधी सी बात है। तू बहुत बढ़िया काम कर रहा है। लेकिन अगर फिल्म हिट हो गई तो तेरे 400 रुपये बढ़ेंगे और मेरे 4 लाख रुपये बढ़ेंगे। तो आप समझ सकते हैं कि हम कहां पर हैं! इसी सिस्टम से लड़ाई करते हुए मुझे इतने साल हो गए हैं। और मैं बड़े फख्र के साथ कहता हूं कि बहुत सारी फिल्में, बहुत बड़ी-बड़ी फिल्में मेरे पास आईं और मैंने नहीं कीं, क्योंकि जो सेकेंड्री रोल्स कर रहे हैं, उनकी सेकेंड क्लास सिटीजन की पदवी है, चाहे वह सुविधा के स्तर पर हो, चाहे पैसे के स्तर पर। लेकिन इसी से मेरी लड़ाई थी। इसलिए मैंने कोशिश यही की कि पहले तो मैं करूं ही नहीं मल्टी-स्टारर, क्योंकि यह बेइज्जती सा लगता है।

अवॉर्ड कंट्रोवर्सी पर राजपाल यादव ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेता और कॉमेडियन राजपाल यादव इन दिनों अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच बीते दिनों उन्होंने एक अवॉर्ड शो में हिस्सा लिया। यहां जाकिर खान और सौरभ द्विवेदी बतौर होस्ट मौजूद थे। इसी दौरान कथित तौर पर होस्ट ने राजपाल यादव का मजाक उड़ाने वाली टिप्पणी की। इसे लेकर सोशल मीडिया पर राजपाल यादव के फैंस के बीच नाराजगी देखी जा रही है, जिस पर खुद एक्टर ने चुप्पी तोड़ी है। साथ ही फैंस से एक अपील की है।

राजपाल यादव ने क्या कहा?

एक इवेंट में होस्ट ने डॉलर और रुपये पर बात करते हुए राजपाल यादव से कहा था, 'डॉलर या रुपया कितना भी ऊपर-नीचे हो, आपको कर्ज तो उतना ही देना है, जितना बाकी है'। इस दौरान राजपाल यादव ने हंसते हुए रिएक्शन दिया था और कोई नाराजगी जाहिर नहीं की थी। मगर, राजपाल यादव के फैंस को यह बात बुरी लगी और सोशल मीडिया पर इस विषय पर विरोध किया जाने लगा।

फैंस से की ट्रोल न करने की अपील

मामला बढ़ता देख राजपाल यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने फैंस से अपील की है कि दोनों होस्ट को कुछ न कहा जाए। एक्टर ने कहा है, 'दुनिया में युद्ध है, इकोनॉमी है, सब ऊपर-नीचे चल रहा है। इसमें आम आदमी को पिसना पड़ता है। उसी के हिसाब से स्क्रिप्ट बनाने का प्रयास किया। फिल्मों में भी कभी-कभी ऐसी स्क्रिप्ट बनाने का प्रयास होता है, लेकिन वह सही तरीके से ऑडियंस तक नहीं पहुंचता'।

जाकिर खान बोले- 'लव यू भाई'

राजपाल ने आगे जाकिर खान और सौरभ द्विवेदी को अपना जिगरी दोस्त बताते हुए लिखा है कि उनका दिल मत दुखाइए। वे दोनों मेरे छोटे भाई जैसे हैं। उन्होंने हमेशा सम्मान किया है। व्यर्थ में इनकी निंदा करके दिल मत दुखाइए। इनका दिल दुखाने से मेरा दिल दुखेगा। राजपाल यादव के इस पोस्ट पर जाकिर खान और सौरभ ने भी टिप्पणी की है और एक्टर का आभार जताया है।

क्या है मामला?

राजपाल यादव चेक बाउंस से जुड़े एक मामले को लेकर काफी समय से सुर्खियों में हैं। उन्होंने एक फिल्म के निर्माण के लिए गए लोन लिया था। इसे वे चुका नहीं पाए। उन्होंने कंपनी को जो चेक दिए थे कथित तौर पर वे भी बाउंस हो गए थे। बीते दिनों अभिनेता ने तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण किया था। बाद में वे अंतरिम जमानत पर बाहर आ गए थे।

राजपाल यादव को आर्थिक संकट में कई फिल्मी सितारों ने सहयोग किया है। बीते गुरुवार 02 अप्रैल को इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी। हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

परिणीति चोपड़ा की नई पारी शुरू

'मॉम टॉक्स' शो की होस्ट बनीं

परिणीति चोपड़ा ने अपने करियर में एक नया और खास चैप्टर जोड़ते हुए टॉक शो होस्ट के रूप में शुरुआत कर दी है। उनके इस नए सफर पर पति और सांसद राघव चड्ढा ने भी सोशल मीडिया पर इमोशनल नोट शेयर कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। परिणीति ने हाल ही में अपने टॉक शो 'मॉम टॉक्स' का टीजर जारी किया है। यह शो मातृत्व, प्रेग्नेंसी और बच्चों की परवरिश से जुड़े उन पहलुओं पर आधारित है, जिन पर अक्सर खुलकर बात नहीं की जाती। खास बात यह है कि यह परिणीति का पहला टॉक शो है, जिसमें वह होस्ट की भूमिका में नजर आएंगी।

ग्राम पीपरछेड़ी में विकास कार्यों की सौगात, विधायक चंद्राकर ने किया भूमिपूजन और लोकार्पण

हरित खाद, नीली-हरी शैवाल और जैव उर्वरकों पर दिया जोर, राज्य के 150 से अधिक कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों को दिया गया प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पीपरछेड़ी में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक ललित चंद्राकर ने विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। कार्यक्रम में उन्होंने विधिवत पूजा-अचर्ना कर नए कार्यों की आधारशिला रखी तथा पूर्ण हो चुके कार्यों को जनता को समर्पित किया।

भूमिपूजन/शिलान्यास किए गए कार्य : विभिन्न स्थानों पर सी.सी. रोड निर्माण - 7.50 लाख, यादव पारा सामुदायिक भवन निर्माण - 10.00 लाख, सरजू यादव के घर से ललित निषाद के घर तक सी.सी. रोड निर्माण -5.20 लाख शामिल हैं।

लोकार्पित कार्य : विभिन्न गलियों में निर्मित सी.सी. रोड -7.50 लाख (जनता को समर्पित)

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि इन कार्यों से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा, हर गाँव-मोहल्ले को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना हमारा संकल्प है।

उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयासह्व के मूलमंत्र पर सरकार कार्य कर रही है। किसानों के लिए कृषक उन्नति योजना, गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना, महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु महतारी वंदन योजना और शिक्षा व्यवस्था सुधार के लिए शिक्षक युक्तियुक्तकरण जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेशवासियों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और योजनाओं का सीधा लाभ जनता तक पहुंच रहा है।

कार्यक्रम में अतिथियों की उपस्थिति

इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, जनपद सदस्य राजेन्द्र ठाकुर, सरपंच ललिता निषाद, पंचगण रामावतार यादव, श्रवण निषाद, सुरेश यादव, सुमित्रा मांडवी, ललिता यादव, मंजू मांडवी, राकेश गोस्वामी, शिव साहू, महेश निषाद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

खास खबर

युद्ध विराम अमेरिका की मजबूरी - अशोक चौधरी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भाजपा नेता अशोक चौधरी ने ईरान अमेरिका और इजरायल युद्ध विराम पर पाकिस्तान की मध्यस्थता पर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल 24 घंटा के भीतर ही युद्ध विराम की कलई खुल गई है, वास्तव में यह युद्ध विराम अमेरिका की मजबूरी है, इसीलिए उसने अपने पिट्ठू पाकिस्तान को आगे कर मध्यस्थता का स्वांग रचाया है। वर्तमान युद्ध से अमेरिका घुटनों पर आ गया है इसराइल मजबूती से युद्ध कर रहा है ईरान भी मजबूती से जवाब दे रहा है लेकिन अमेरिका को खासतौर से राष्ट्रपति ट्रंप को अपने बड़ बोलेपन का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। इसलिए दुनिया में कहीं पर भी जिस पाकिस्तान की विश्वसनीयता नहीं है उसको आगे करके युद्ध विराम की घोषणा कर दी गई है, लेकिन इसके लिए ईरान ने अपने 10 सूत्री मांग इन्हें भेजा है पाकिस्तान से हड़बड़ी में या अनजाने में लेबनान भी युद्ध विराम में शामिल रहेगा यह लिख दिया गया है जिससे अमेरिका और इसराइल नहीं मान रहा हैं। जिस कारण युद्ध विराम खटाई में पड़ गया है और पाकिस्तान अमेरिका बेनकाब भी हो गया है। ऐसे युद्ध विराम विश्व के हित में है इसलिए इसराइल और अमेरिका को भी लेबनान पर बमबारी नहीं करने की शर्त मान लेना चाहिए जिससे हार्मुज स्टेट का रास्ता सबके लिए खुल जाएगा और तेल गैस की कमी से जो देश जूझ रहे हैं उनका संकट भी दूर हो जाएगा।

स्वास्थ्य कर्मियों और मरीजों ने ली शपथ, टीकाकरण के लिए किया जागरूक

भिलाई। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई 3 में चिकित्सा अधिकारी डॉ शिखर अग्रवाल के नेतृत्व में स्वास्थ्य कमिर्यों और मरीजों ने शपथ ली। बी ई टी ओ सैय्यद असलम ने शपथ दिलाई। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डॉ शिखर अग्रवाल ने कहा कि विज्ञान नई नई खोजों के माध्यम से नवीन तकनीक, नई दवाएं और वैक्सीन उपलब्ध करा रहा है।

मरीजों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए उनके अध्ययन अनुभव और मरीजों के फीडबैक से भारत सरकार को अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि नवीन दवाओं उनके शोध मे हम विश्व स्तर अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉ रवि शंकर सत्यार्थी ने कहा कि बीमारियों की रोकथाम बचाव व उपचार और निदान को हर स्तर पर सेवाओं के माध्यम से मजबूत करना है। सैय्यद असलम ने मरीजों व परिजनों को बताया कि भारत सरकार एच पी व्ही वैक्सीन निशुल्क उपलब्ध करा रही है जो गर्भाशय कैंसर से बचाव का महत्वपूर्ण अभियान है। सभी 14 साल पूर्ण कर चुकी बेटियों को यह टीका अवश्य लगाना चाहिए। कार्यक्रम में डा अचर्ना मिश्रा, एल एच व्ही आर विश्वास, आर एम ए प्रज्ञा कुशवाहा, स्टाफ नर्स गुलशन खलको, रोशन बर्मन, फार्मासिस्ट तृप्ति चंद्राकर, स्मिता बागड़े, आलिया खातून, समीर रात्रे, निवेश प्रधान, चम्पाकली सोनी, मीरा साहू, सरस्वती ठाकुर, सुनीति वर्मा और प्रीतिका सहित पदाधिकारी उपस्थित थे।

दुर्ग निगम की नई पहल : मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनों से होगी धूल-मुक्त सफाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए दुर्ग नगर पालिक निगम ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अत्याधुनिक मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनों का उपयोग शुरू कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य शहर में बढ़ते धूल प्रदूषण को नियंत्रित करना और वायु गुणवत्ता में सुधार लाना है।

महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्रकार, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी नीलेश अग्रवाल, एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पार्षद देव नारायण तांडी, अभियंता विनीता वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, कमर्शाला अधीक्षक शोयब अहमद सहित निगम के अधिकारियों व कमर्चारियों की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अचर्ना कर दो मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

नई मशीनें वैक्यूम वायु तकनीक पर आधारित हैं, जो सड़कों पर जमा धूल, रेत और छोटे मलबे को प्रभावी ढंग से हटाने में सक्षम हैं। इससे न केवल सड़कों की सफाई बेहतर होगी, बल्कि धूल प्रदूषण में भी कमी आएगी। अब मुख्य मार्गों, चौड़ी सड़कों और कॉलोनियों में मैन्युअल झाड़ू के स्थान पर मशीनों से सफाई की जाएगी।

नगर निगम द्वारा फिलहाल दो स्वीपिंग मशीनें खरीदी जा रही हैं। वहीं, जिन तंग गलियों और आंतरिक मार्गों तक मशीनें नहीं पहुंच पाएंगी, वहां सफाई की जिम्मेदारी निगम के सफाई कर्मियों को सौंपी गई है, जिससे पूरे शहर में संतुलित और प्रभावी सफाई सुनिश्चित हो सके।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम शहर को स्वच्छ, सुंदर और धूल-मुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। मशीनीकृत सफाई व्यवस्था से न केवल कार्य में तेजी आएगी, बल्कि नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण भी मिलेगा। यह पहल दुर्ग शहर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

पीएम आवास योजना से जीवन में आया उजाला, पक्का मकान बना आधार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री आवास योजना जरूरतमंद परिवारों के जीवन में एक नई उम्मीद और स्थायित्व का आधार बन गई है। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम पारागांवखुर्द निवासी संतुराम जर्जर कच्चे मकान में रहने को मजबूर थे। आज वह अपने पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

संतुराम पहले अपनी मां के साथ कच्चे घर में रहते थे। दोनों मजदूरी कर किसी तरह जीवनयापन करते थे। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पक्का मकान बनाना संभव नहीं हो पा रहा था। उनकी मां का नाम आवास प्लस सूची में दर्ज था, लेकिन मकान स्वीकृत होने से पूर्व ही उनका निधन हो गया, जिससे यह सपना अधूरा रह गया। इसी बीच ग्राम पंचायत से उन्हें जानकारी मिली कि वे अपनी मां के नाम पर नामिनी के रूप में पात्र हैं। आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद उनका पंजीयन किया गया और शीघ्र ही आवास स्वीकृत हो गया। बैंक खाते में पहली किस्त 40 हजार रुपये प्राप्त होने के साथ ही उन्होंने मकान निर्माण प्रारंभ किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत उन्हें कुल 1 लाख 20 हजार रुपये की राशि तीन किस्तों में प्राप्त हुई। इसके साथ ही मनरेगा के तहत 95 दिनों का रोजगार भी मिला। इस समन्वित सहयोग से संतुराम ने अपना पक्का घर पूरा किया। आज उनका जीवन सुरक्षित, सहज और सम्मानपूर्ण हो गया है। संतुराम ने इस परिवर्तन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बैंक सखी बन आशा एक्का ने लिखी आत्मनिर्भरता की नई इबारत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

ग्रामीण अंचलों में महिला सशक्तिकरण और डिजिटल बैंकिंग को घर-घर पहुंचाने में 'बिहान' की दीदियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सरगुजा जिले के ग्राम कांति प्रकाशपुर की रहने वाली आशा एक्का जिले की उन महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं, जो घर की चारदीवारी से निकलकर आर्थिक आजादी की राह चुनना चाहती हैं।

वर्ष 2017 से 'बिहान' (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) से जुड़ी आशा एक्का ने अपनी 12वीं तक की शिक्षा का सदुपयोग करते हुए बैंक सखी और बैंक मित्र की जिम्मेदारी संभाली। वे न केवल एक गृहिणी हैं, बल्कि गाँव की बैंकिंग व्यवस्था की मुख्य कड़ी बन चुकी हैं। आशा बताती हैं कि उनके पति छोटे किसान हैं और घर पर किराना दुकान चलाते हैं, लेकिन बिहान से जुड़ने के बाद उनकी पहचान और आमदनी दोनों में बड़ा बदलाव आया है।

असहाय के लिए बनीं सहारा

आशा का कार्य केवल ट्रांजेक्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सेवा भाव से भी कार्य कर रही हैं। गाँव की बुजुर्ग महिलाएँ जिन्हें पेंशन लेने दूर जाना पड़ता है या मनरेगा के मजदूर जिन्हें मजदूरी भुगतान के लिए बैंक के चक्कर काटने पड़ते हैं, आशा उन सभी का भुगतान गाँव में ही सुनिश्चित करती हैं। वे कहती हैं, "जो लोग बैंक आने-जाने में असमर्थ हैं, मैं उनके घर जाकर बैंकिंग सेवा प्रदान करती हूँ। जब वे खुशी से दुआएं देते हैं, तो काम की थकान मिट जाती है।"

5 करोड़ का ट्रांजेक्शन व आत्मनिर्भरता

श्रीमती आशा एक्का अब तक लगभग 5 करोड़ रुपये का वित्तीय ट्रांजेक्शन कर चुकी हैं। इस कार्य से उन्हें हर महीने 10 से 12 हजार रुपये की सम्मानजनक आय हो रही है। इस आर्थिक संबल से वे अपने दो बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिला पा रही हैं।

शासन की योजनाओं का जताया आभार

अपनी सफलता का श्रेय केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को देते हुए आशा ने कहा कि बिहान योजना ने हम जैसी गरीब महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है। उन्होंने इस अवसर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार करते हुए कहा कि आज हम जैसी हजारों ग्रामीण महिलाएं महिला सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण पेश कर रही हैं, जो न केवल अपने परिवार की आजीविका चला रही हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को डिजिटल क्रांति से भी जोड़ रही हैं।

जनगणना कार्य में लगे अधिकारी व कर्मचारियों को विशेष परिस्थितियों में ही मिलेगा अवकाश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में जनगणना कार्य को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य के लिए प्रगणक और पयर्वेक्षकों को समय पर प्रशिक्षण दिया जाना अनिवार्य है। इसके लिए इंचार्ज अधिकारियों को प्रशिक्षण हेतु उपयुक्त भवनों का चयन कर प्रशिक्षण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जिन अधिकारी-कमर्चारियों की ड्यूटी जनगणना कार्य में लगाई गई है, उनका अवकाश स्वीकृत विशेष परिस्थितियों में ही किया जाए। उन्होंने बताया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित होगी। पहला चरण 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं गणना का होगा, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में परिवारों की व्यक्तिगत जानकारी एकत्रित करने के लिए किया जाएगा।

बैठक में ग्राम पंचायतों में राजस्व संबंधी कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अविवादित नामांतरण, बंटवारा और पंजीयन प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। सभी पंचायतों में पंजीयन कार्य प्रारंभ हो चुका है, लेकिन जहां अब तक कार्य शुरू नहीं हुआ है, वहां के सचिवों का वेतन रोकने के निर्देश दिए। साथ ही जिन पंचायतों में प्रकरण दर्ज हो चुके हैं, वहां संबंधित एसडीएम को नियमित समीक्षा कर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में विद्यार्थियों के बायोमेट्रिक अपडेट कार्य की भी समीक्षा की। कलेक्टर के मार्गदर्शन में शासकीय और निजी स्कूलों में यह कार्य निरंतर जारी है। वतर्मान में कई स्कूलों में परीक्षाएं चल रही हैं और कुछ में समाप्त हो चुकी हैं, जिसके कारण विद्यार्थियों की उपस्थिति कम है। इस स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि स्कूल प्राचार्यों के साथ समन्वय स्थापित कर निःशुल्क बायोमेट्रिक अपडेट कार्य को शीघ्र पूर्ण कराए।

बैठक में एडीएम वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं श्रीमती सिल्ली थॉमस सहित सभी एसडीएम एवं जनपद सीईओ और समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

धमधा नाका ओवरब्रिज गुढ़ियारी ब्रिज के तर्ज पर बनेगा

प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि तथा विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने आज यहां लोक निर्माण विभाग कार्यालय के सभाकक्ष में निर्माण कार्य एजेंसी विभागों के अधिकारियों की बैठक में निर्माण कार्यों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा दुर्ग जिले में लगभग 500 करोड़ रूपए लागत की विभिन्न निर्माण कार्य स्वीकृत किये गये हैं। इन कार्यों में सड़क, पुल, पुलिया, भवन, आडिटोरियम, केनाल रोड, नवीन विश्राम भवन, जेल तिराहा से मिनी माता चौक तक सड़क चौड़ीकरण एवं प्लाईओवर ब्रिज निर्माण, चण्डी मंदिर रोड, अग्रसेन चौक से दुर्ग-धमधा अण्डरब्रिज तक के कार्य, सड़कों के संधारण, चौड़ीकरण सहित अन्य कार्य शामिल है। उन्होंने सड़कों के संधारण, चौड़ीकरण एवं ट्रैफिक नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अधिाकरियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी विभाग के संयुक्त बैठक में आपसी समन्वय और तकनीकी समस्याओं के त्वरित समाधान के कार्यों में तेजी लाकर जनता को शीघ्र लाभ पहुंचना सुनिश्चित करें। मंत्री श्री यादव ने कहा कि निर्माण कार्य एजेंसी विभाग पुराने स्वीकृत निर्माण कार्य समयावधि में पूर्ण करायें। इसी प्रकार वतर्मान बजट में विभागों को जो निर्माण कार्य स्वीकृत किये गये हैं, ऐसे कार्यों का टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर लिया जाए। मंत्री श्री यादव ने अधिकारियों से कार्य स्वीकृति पश्चात मंत्रालय स्तर एवं वित्त विभाग संबंधी समस्याएं की जानकारी भी ली। साथ ही आवश्यक पहल करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि दुर्ग केनाल रोड निर्धारित मापदण्ड के अनुसार बनायी जाए। उक्त निर्माण हेतु अतिक्रमण हटाने की कायर्वाही हेतु राजस्व विभाग द्वारा आवश्यक पहल किया जाए। मंत्री श्री यादव ने चण्डी मंदिर सड़क निर्माण, ब्रम्हकुमारी संस्थान से मुख्य सड़क मार्ग, दुर्ग-धमधा सड़क मार्ग, दुर्ग नंदिनी रोड, संगीत महाविद्यालय, पेंशनर भवन एवं नवीन विश्राम भवन दुर्ग आदि के संबंध में जानकारी ली। इसी प्रकार धमधा नाका ओवर ब्रिज निर्माण हेतु आवश्यक पहल करने तथा धमधा नाका ओवर ब्रिज को गुढ़ियारी (रायपुर) ब्रिज के तर्ज पर बनाने सेतु विभाग के कायर्पालन अभियंता को निर्देशित किया हैं। मंत्री श्री यादव ने बोरसीभांठा में पौधरोपण के संबंध में जानकारी ली। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बोरसीभांठा के 12 एकड़ जमीन में पौधरोपण किया जाना है। इस हेतु 65 लाख रूपए स्वीकृति हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया है। मंत्री श्री यादव ने पीएचई विभाग के अधिकारियों को पेयजल हेतु पाईपलाईन विस्तार के साथ ही दुर्ग नगर निगम अंतर्गत पानी सप्लाई की व्यवस्था सुव्यवस्थित कराने के निर्देश दिये। उन?होंने नगर में साइंससिटी निर्माण पर जोर देते हुए राजस्व विभाग के अधिकारियों को शासकीय निर्माण कार्यों हेतु नक्शा-खसरा सहित जमीन शीघ्रतापूर्वक उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

विशेष

अजातशत्रु अच्युतानंद ! हिंदी के महत्वपूर्ण संपादक के रुप में बनाई खास पहचान

प्रो संजय द्विवेदी

हमारे समय के बेहद महत्वपूर्ण संपादक, पत्रकार, लेखक, पत्रकार संगठनों के अगुआ, शिक्षाविद्, आयोजनकर्ता, और सामाजिक कार्यकर्ता जैसी अच्युतानंद मिश्र की अनेक छवियां हैं।वे 91 वर्ष की आयु पूर्ण करके भी सक्रिय हैं। शुक्रवार को उन्होंने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में बहुत महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। आप देखेंगे तो उनकी हर छवि न सिर्फ पूर्णता लिए हुए है, वरन् लोगों को जोड़ने वाली साबित हुयी है। उन्हें देखकर ऐसा लगता है कि मानव की सहज कमजोरियां भी उनके आसपास से होकर नहीं गुजरी हैं। राग-द्वेष और अपने- परायें के भेद से परे जैसी दुनिया उन्होंने रची है उसमें सबके लिए आदर है, प्यार है, सम्मान है और कुछ देने का भाव है। देश के आला अखबारों जनसत्ता, नवभारत टाइम्स, अमर उजाला, लोकमत समाचार के संपादक के नाते उन्हें हिंदी की दुनिया ने देखा और पढ़ा है। अपनी संपादन क्षमता और नेतृत्व क्षमता से उन्होंने जो किया वह हिंदी पत्रकारिता का बहुत उजला अध्याय है।

2 दिसंबर, 1937 को गाजीपुर के एक गांव में जन्मे श्री मिश्र पत्रकारों के संघर्षों की अगुवाई करते हुए संगठन को शक्ति देते रहे हैं तो एक शिक्षाविद् के रूप में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति के नाते उन्होंने पत्रकारिता शिक्षा और शोध के क्षेत्र में नए आयाम गढ़े। स्वतंत्र भारत की पत्रकारिता पर शोध परियोजना के माध्यम से उन्होंने जो काम किया है वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मानक काम है, जिसके आगे चलकर और भी नए रास्ते निकलेंगें। लोगों को जोड़ना और उन्हें अपने प्रेम से सींचना, उनसे सीखने की चीज है। उनके जानने वाले लोगों से आप मिलें तो पता चलेगा कि आखिर अच्युतानंद मिश्र क्या हैं। वे कितनी धाराओं, कितने विचारों, कितने वादों और कितनी प्रतिबद्धताओं के बीच सम्मान पाते हैं कि व्यक्ति आश्चर्य से भर उठता है। उनका कवरेज एरिया बहुत व्यापक है, उनकी मित्रता में देश की राजनीति, मीडिया और साहित्य के शिखर पुरूष भी हैं तो बेहद सामान्य लोग और साधारण परिवेश से आए पत्रकार और छात्र भी।

वे हर आयु के लोगों के बीच लोकप्रिय हैं। उनके परिधानों की तरह उनका मन, जीवन और परिवेश भी बहुत स्वच्छ है। यह व्यापक रेंज उन्होंने सिर्फ अपने खरे पन से बनाई है, ईमानदारी भरे रिश्तों से बनाई है। लोगों की सीमा से बाहर जाकर मदद करने का स्वभाव जहां उनकी संवेदनशीलता का परिचायक है, वहीं रिश्तों में ईमानदारी उनके खांटी मनुष्य होने की गवाही देती है। वे जैसे हैं, वैसे ही प्रस्तुत हुए हैं। इस बेहद चालाक और बनावटी समय में वे एक असली आदमी हैं। अपनी भद्रता से वे लोगों के मन, जीवन और परिवारों में जगह बनाते गए। खाने-खिलाने, पहनने-पहनाने के शौक ऐसे कि उनसे हमेशा रश्क हो जाए। जिंदगी कैसे जीनी चाहिए उनको देख कर सीखा जा सकता है। डायबिटीज है पर वे ही ऐसे हैं जो खुद न खाने के बावजूद आपके लिए एक-एक से मिठाईयां पेश कर सकते हैं। उनका आतिथ्यभाव,स्वागतभाव, प्रेमभाव मिलकर एक अहोभाव रचते हैं।

वे मेरे विश्वविद्यालय कुलपति रहे हैं। किंतु इससे ज्यादा वे मेरे अभिभावक हैं। जीवन में एक आत्मीय उपस्थिति। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में आने के पहले उन्हें रायपुर के एक- दो आयोजनों में सुना था।जनसत्ता के माध्यम से उन्हें जानते भी थे। उनकी लेखनी से परिचय था। जनसत्ता उन दिनों स्टार अखबार था। उनका नाम उसमें प्रिंट लाइन में जाता था। जाहिर है हमारे लिए वे हीरो ही थे। एक दिन उन्हें अपने ह्रावासह्र के नाते पाया। उनकी बहुत गहरी आत्मीयता और वात्सल्य के निकट से दर्शन हुए। हर व्यक्ति की चिंता और उसकी समस्याओं का समाधान कैसे हो सकता है, इसके रास्ते निकालना उनका स्वभाव रहा है। एक प्रशासक के रूप में भी वे बहुत सरल और लोकतांत्रिक चेतना के वाहक हैं। कुर्सी कभी उन पर नहीं बैठी, वे कुर्सी पर बैठे। उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय को अकादमिक ऊंचाई मिली। स्वतंत्र भारत की पत्रकारिता पर शोध परियोजना के माध्यम से उन्होंने देश भर के पत्रकारों,संपादकों और शोधकर्ताओं को विश्वविद्यालय से जोड़ा। इस महती योजना का दायित्व उन्होंने आदरणीय विजयदत्त श्रीधर जैसे मनीषी को सौंपा जो भोपाल के माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय के संस्थापक हैं। उनकी शोध परक दृष्टि और कुशल संपादन क्षमता से शोध परियोजना को बहुत लाभ हुआ। इस दौरान अनेक विशिष्ट आयोजनों के माध्यम से देश की श्रेष्ठतम बौद्धिक विभूतियों का विश्वविद्यालय में आगमन हुआ।

शोध परियोजना के तहत देश भर में बौद्धिक आयोजन भी हुए। इन गतिविधियों से विश्वविद्यालय अपनी राष्ट्रीय पहचान बनाने में सफल रहा। यह हमारे तत्कालीन कुलपति अच्युतानंद जी के निजी संपर्कों और औदार्य के चलते हो पाया। हमने महसूस किया कि नेतृत्व कैसे किसी संस्था को न सिर्फ सही दिशा दे सकता है बल्कि उसे अखिलभारतीय पहचान भी दिला सकता है। निश्चित ही ऐसे लोग किसी भी संस्था को बहुत ऊंचाई प्रदान करते हैं। जिस दौर में बौनों और अनुचरों की बन आई है, वहां ऐसे लोग हमें प्रेरित करते हैं। शायद इसीलिए मिश्रजी ने अपने उदार लोकतांत्रिक व्यवहार से अजातशत्रु की संज्ञा प्राप्त कर ली। साहित्यकार श्री कैलाशचंद्र पंत लिखते हैं- ह्लअच्युतानंद मिश्र ने हिंदी भाषा और हिंदी पत्रकारिता की गरिमा के लिए लंबे समय तक वैचारिक संघर्ष को जीवित रखा।ह्व सही मायनों में वे पत्रकारिता और साहित्य का सेतुबंध बनाने वाले लोगों में एक हैं। हाल में आई उनकी किताब ह्यातीन श्रेष्ठ कवियों का हिंदी पत्रकारिता में अवदानह्व इस बात की पुष्टि करती है। किस तरह उन्होंने साहित्य के साधकों की पत्रकारीय साधना को रेखांकित किया है। इस पुस्तक में वे हमारे समय के तीन महत्वपूर्ण संपादकों अज्ञेय, रघुवीर सहाय और धर्मवीर भारती के बहाने एक पूरी परंपरा को याद करते हैं। हिंदी साहित्य और पत्रकारिता किस तरह साथ-साथ चलते हुए समाज की वैचारिक और सूचनात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति करते रहे हैं, इससे पता चलता है। उनकी यह किताब बहुत गहन अध्ययन के बाद लिखी गयी है। क्योंकि वे इस दौर के साक्षी और सहयात्री भी रहे हैं। हमारी पत्रकारिता और साहित्य के नायकों को इस तरह याद किया जाना बहुत महत्वपूर्ण है। इसी तरह उनकी किताब ह्यकुछ सपने कुछ संस्मरणह्व हमारे समय अनेक ज्वलंत मुद्दों पर बात करती है। इस किताब में संकलित निबंध श्री मिश्र के वैचारिक अवदान को सामने लाते हैं। इसके साथ ही अनेक महापुरुषों के संस्मरण भी हैं। इस किताब में मिश्र जी के निबंध पत्रकारिता की नई समझ के द्वार खोलते हैं। इसमें भाषा की चिंता है तो महानायकों की याद भी जो इस समय में हमारा संबल बन सकते हैं। मिश्र जी के लेखन में आशा जगाने वाले तत्व हैं। वे उत्साह जगाते हैं। परंपरा से जोड़ते हैं और दायित्वबोध कराते हैं। इस मायने में उनकी लेखनी कहीं निराशा के बीज नहीं बोती। ऐसी गहरी सकारात्मकता, संस्कार और परंपरा के माध्यम से वे लोकशिक्षण करते हैं।

अच्युतानंद मिश्र जैसे नायकों का हमारे बीच में होना इस बात की गवाही है कि सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। वे जहां भी रहे संस्कारों के बीच रोपते रहे, रिश्तों को सींचते रहे। किसी भी शहर में जाकर उस शहर के बुद्धिजीवियों, कलावंतों से मिलने वाले मिश्र जी एक परंपरा बनाते हैं। संपादकों को सिखाते हैं कि कैसे संचार की दुनिया के लोगों को समावेशी, कलाओं का पारखी और उदार होना चाहिए। इसलिए उनका होना सिर्फ उत्सव नहीं है, संस्कार भी है, बहुत गहरी जिम्मेदारी भी। वे कुछ कहकर नहीं, करके सिखाते हैं। शब्द की साधना, भाषा की सेवा, संवेदनशीलता की जो थाती वे हमें सौंप रहे हैं, उसे हमें आगे बढ़ाना है और इसमें कुछ जोड़ना भी है। इस बहुत कठिन उत्तराधिकार के लिए हमारी पीढ़ी को आगे आना ही होगा। उनकी दिखाई राह ही मूल्यनिष्ठ और राष्ट्रभाव की पत्रकारिता की धारा को जीवंत बनाए रख पाएगी।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

जिले में श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए मोबाईल कैम्प का हो रहा आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए एसओपी अंतर्गत जिले के ग्राम पंचायतों में मोबाईल कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। मोबाईल कैम्प के माध्यम से शासन द्वारा श्रमिक वर्ग हेतु संचालित श्रमिक पंजीयन, नवीनीकरण, संशोधन एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की जा रही है।

इसके साथ ही निर्माण श्रमिकों, असंगठित कमकर्कारों का पात्रतानुसार पंजीयन हेतु ऑनलाईन आवेदन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त मोबाईल कैम्प में आवेदनों तथा पंजीयनों में आ रही समस्याओं का निराकरण भी किया जा रहा है। पात्र हितग्राही श्रमिक पंजीयन एवं योजनाओं का लाभ लेने के लिए ऑनलाईन आवेदन जनपद पंचायतों में संचालित श्रम कल्याण केन्द्र, मोबाईल एप (श्रमेव जयते एप), नजदीकी लोकसेवा केन्द्र, इंटरनेट कैफे के माध्यम करा सकते है। श्रमिक पंजीयन एवं योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए मुख्यमंत्री सहायता केन्द्र के हेल्प लाईन नंबर व टोल फ्री नंबर-0771-3505050 पर संपर्क कर सकते हैं।

श्रम पदाधिकारी ने बताया कि माह अप्रैल 2026 में विभिन्न ग्राम पंचायतों में मोबाईल कैम्प का आयोजन किया जाएगा। मोबाईल कैम्प के माध्यम से श्रमिक उपस्थित होकर निःशुल्क श्रमिक पंजीयन आवेदन व नवीनीकरण एवं विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। साथ ही श्रमिकों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है। राजनांदगांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत परमालकसा में 10 अप्रैल, नवागांव में 10 अप्रैल, फूलझर में 13 अप्रैल, इंदावनी में 16 अप्रैल, आरला में 17 अप्रैल, मलपुरी में 21 अप्रैल, खैरझिटी में 21 अप्रैल, कलेवा में 23 अप्रैल, कलडबरी में 24 अप्रैल, चवेली में 27 अप्रैल को मोबाईल कैम्प का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह छुरिया विकासखंड के ग्राम पंचायत जयसिंगटोला में 17 अप्रैल, जोशीलमती में 21 अप्रैल, बरछाटोला में 24 अप्रैल, करेठी में 27 अप्रैल, आलीवारा में 29 अप्रैल एवं डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत अर्जुनी में 10 अप्रैल, सोनेसरार में 21 अप्रैल, पेंडरवानी में 23 अप्रैल, कोकपुर में 27 अप्रैल तथा डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत मुसराकला में 16 अप्रैल, धनडोंगरी में 20 अप्रैल, मुंदगांव में 22 अप्रैल, अण्डी में 24 अप्रैल, करवारी में 27 अप्रैल, जटकन्हार में 29 अप्रैल को मोबाईल कैम्प का आयोजन किया जाएगा।

जियो और जीने दो" का संदेश ही विश्व कल्याण का मार्ग : कलेक्टर जितेंद्र यादव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

श्री पार्श्वनाथ जैन बगीचा में आयोजित सामूहिक नवकार जाप के अवसर पर जिलाधीश जितेंद्र यादव ने जैन धर्म की प्राचीनता और इसके सिद्धांतों की सराहना करते हुए समाज को संबोधित किया। उन्होंने जैन धर्म को मानवीय मूल्यों का आधार बताते हुए कहा कि यह विश्व का एकमात्र ऐसा धर्म है जो 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत को न केवल सिखाता है, बल्कि आत्मसात भी करता है।

ऋषि-मुनियों की तपस्या और गौरवशाली परंपरा

अपने संबोधन में कलेक्टर यादव ने कहा कि जैन धर्म की परंपरा हजारों साल पुरानी है और इसके ऋषि-मुनियों ने कठोर तपस्या से इस संस्कृति को जीवित रखा है। उन्होंने जैन संतों की महिमा का वर्णन करते हुए भावुक अंदाज में कहाः

"जैन मुनि और संत जिसे देख लें, उसका उद्धार हो जाता है (वह तर जाता है)। उनके चरण जिस पत्थर पर भी पड़ जाएं, वह पत्थर भी पूजनीय हो जाता है। ऐसी दिव्य और त्यागपूर्ण जीवनशैली केवल इसी धर्म में संभव है।"

इस अवसर पर सकल जैन समाज के पदाधिकारी और भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। जिलाधीश के इन प्रेरक विचारों ने समाज के युवाओं और वरिष्ठों के बीच एक नई ऊर्जा का संचार किया।

युवा पीढ़ी के लिए विशेष संदेश

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव को देखते हुए उन्होंने नई पीढ़ी को एक महत्वपूर्ण सीख दी। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे आधुनिकता की दौड़ में अपनी जीवन वैल्यू और सिद्धांतों को कभी न छोड़ें। उन्होंने जोर देकर कहा कि सिद्धांत ही व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करते हैं और समाज को सही दिशा दिखाते हैं।

मुख्य बातें

अहिंसा का मार्ग : 'जियो और जीने दो' का वैश्विक संदेश। अटूट आस्था : जैन संतों की दृष्टि और चरणों की पावनता का उल्लेख। संस्कारों का महत्व : युवाओं को अपनी जड़ों और परंपराओं से जुड़े रहने का आह्वान।

राष्ट्रीय अंडर-20 नेशनल चैंपियनशिप का शुभारंभ आज से

भिलाई। छत्तीसगढ़ कुश्ती का प्रथम महाकुंभ का भव्य आयोजन में मुख्य रूप से बृज भूषण शरण सिंह (पूर्व सांसद, गोंडा लोकसभा क्षेत्र, उत्तर प्रदेश एवं पूर्व अध्यक्ष भारतीय कुश्ती संघ) से सौजन्य मुलाकात का अवसर प्राप्त हुआ। 28 राज्यों के लगभग 1100 पहलवानों के बीच 90 मेडल एवं 1 ट्रॉफी के लिए यह रोमांचक प्रतियोगिता 10 से 12 अप्रैल तक जयंती स्टेडियम, सिविक सेंटर, भिलाई में आयोजित हो रही है।

भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव अब सुबह 7 :30 से 11 :30 बजे तक लगेंगी कक्षाएं

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी स्थाई निर्देशों के परिपालन में जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव ने जिले के सभी स्कूलों के संचालन समय में परिवर्तन का आदेश जारी कर दिया है। बढ़ती गर्मी और छात्र हित को ध्यान में रखते हुए अब जिले के समस्त शासकीय और अशासकीय स्कूल सुबह की पाली में संचालित किए जाएंगे।

नए समय सारणी की मुख्य बातें: निर्धारित समयः कक्षाएं सुबह 07:30 बजे से प्रारंभ होकर 11:30 बजे तक संचालित होंगी। प्रभावी अवधिः यह आदेश अप्रैल माह के लिए प्रभावी रूप से लागू किया गया है। लागू क्षेत्रः यह आदेश जिले के सभी शासकीय, अशासकीय (प्राइवेट), केंद्रीय विद्यालय और अनुदान प्राप्त स्कूलों पर समान रूप से लागू होगा। दो पाली वाले स्कूलों के लिए निर्देश आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जो विद्यालय वर्तमान में दो पालियों में संचालित हो रहे हैं, उनकी समयावधि में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है, वे पूर्ववत ही संचालित रहेंगे।

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी इस पत्र में उल्लेख है कि समय निर्धारण के इस निर्णय को कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है। आदेश की प्रतिलिपि लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर, कमिश्नर दुर्ग संभाग और जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु भेज दी गई है। शिक्षा विभाग ने सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया है कि शासन के इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें ताकि स्कूली बच्चों को दोपहर की भीषण तपन से बचाया जा सके।

कोंडागांव में पत्नी की हत्या के बाद पति ने लगाई फांसी, दो मासूम हुए अनाथ

नई दृष्टिबिंदु / कोंडागांव

छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले से एक हृदयविदारक और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां आपसी विवाद ने एक पूरे परिवार को तबाह कर दिया। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में पति ने पहले पत्नी की कुल्हाड़ी से हत्या की और फिर खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत और शोक का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार, कोकोडी गांव निवासी दंपति धनेश्वर और सुखबती नेताम किसी काम से बनियागांव गए हुए थे। गुरुवार रात जब दोनों वापस लौट रहे थे, तभी बख्रारी नाला के पास किसी बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया।

विवाद ने लिया खौफनाक रूप

बताया जा रहा है कि विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर पति धनेश्वर ने अपनी पत्नी सुखबती नेताम पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमला इतना गंभीर था कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी की हत्या के बाद आरोपी पति ने भी फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस दोहरी घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

इस दर्दनाक घटना के बाद दंपति के दो छोटे बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया है, जिससे पूरे गांव में गम का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही कोंडागांव पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा पूरे मामले की बारीकी से जांच की जा रही है, साथ ही आसपास के लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। यह घटना एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करती है कि छोटी-छोटी बातों में बढ़ता विवाद किस तरह भयावह परिणाम में बदल सकता है।

बरसात के पहले जलभराव रोकने निगम की तैयारी जोन 2 वैशाली नगर के नाले की हुई व्यापक सफाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा आगामी मानसून को देखते हुए शहर के बड़े नालों और जल निकासी प्रणालियों की सफाई का अभियान तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में आज जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत केम्प-1, वार्ड 26 स्थित मुख्य नाले की साफ-सफाई कार्य का निरीक्षण वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

निगम के सफाई कर्मियों द्वारा नाले के भीतर जमी जलकुंभी, प्लास्टिक कचरा एवं गाद (सिल्ट) निकालने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य जल मार्ग की बाधाओं को दूर करना है ताकि बारिश के दौरान पानी का बहाव निर्बाध रूप से हो सके और जलभराव की स्थिति निर्मित न हो।

क्षेत्रवासियों की सुरक्षा और निकासी व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए नाले के दोनों ओर रिटर्निंग वॉल (सुरक्षा दीवार) बनाने की योजना है, कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। बारिश के दौरान पानी को ओवरफ्लो होकर गलियों में घुसने से रोकना मुख्य उद्देश्य है।

भविष्य में होने वाली किसी भी संभावित दुर्घटना को टालना है। निरीक्षण में उपस्थित अधिकारी सफाई कार्यों की गुणवत्ता और गति का जायजा लेने के लिए मौके पर कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता श्वेमा वर्मा, उप अभियंता अशोक देवांगन, सहायक राजस्व अधिकारी प्रशन्न तिवारी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर सहानी एवं स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मानसून की पहली बारिश से पहले सभी आवश्यक तकनीकी कार्य और सफाई पूरी कर ली जाए, ताकि नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100